श्रावण मास, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 237, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 23 सितंबर 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

पीएफआई पर एनआईए-ईडी का प्रहार

13 राज्यों में पड़े छापे, टेरर फंडिंग केस पीएफआई से जुड़े 106 सदस्यों अरेस्ट

नई दिल्लीः पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया 'पीएफआई' के करीब एक दर्जन राज्यों में स्थित कार्यालयों पर एनआईए व सहयोगी एजेंसियों ने टेरर लिंक के चलते छापेमारी की है। गुरुवार को 106 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया है। भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाना, हिजाब विवाद, युवाओं को गुमराह कर उन्हें तोड़फोड़ की गतिविधियों में लगाना, आतंकी गतिविधियों में शामिल रहे युवाओं को पर्दे के पीछे से कानूनी मदद देना, सांप्रदायिक दंगे और सामाजिक कार्यों के नाम पर कई तरह की संदिग्ध गतिविधियां शुरू करना, आदि पीएफआई के कार्यों में शामिल रहा है। एनआईए ने एक साथ इतने बड़े स्तर पर पीएफआई ठिकानों पर इससे पहले छापेमारी नहीं की थी। खास बात है कि इस रेड पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल स्वयं नजर रख रहे हैं। उन्होंने ही सबसे पहले एनआईए डीजी व दूसरी केंद्रीय एजेंसियों के प्रमुखों से कहा था कि आतंकी गतिविधियों में संलिप्त संगठनों की कमर तोड़नी है, तो उनकी फंडिंग पर वार करो। इसके बाद ही केंद्रीय एजेंसियों ने कश्मीर, नक्सल प्रभावित क्षेत्र और उत्तर पूर्व के संगठनों पर वार शुरू किया था।

क्यों पड़ी छापेमारीः राज्यों में टेरर फंडिंग करने का आरोप- एनआईए अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और हैदराबाद में आतंकी गतिविधि बढ़ाने के लिए भारी संख्या में टेरर फंडिंग की गई है। लिंक खंगालने के बाद जांच एजेंसी ने यह कार्रवाई की है।

ट्रेनिंग कैंप लगाने का आरोपः सूत्रों के मुताबिक एनआए को सूचना मिली कि कई राज्यों में पिछले कुछ महीनों से पीएफआई बड़े स्तर पर ट्रेनिंग कैंप लगा रही है। इसमें हथियार चलाने की ट्रेनिंग देने के साथ लोगों का ब्रेनवॉश भी किया जा रहा था।

फुलवारी शरीफ का लिंकः जुलाई में पटना के पास फुलवारी शरीफ में मिले आतंकी मॉड्यूल को लेकर भी छापेमारी की गई है। फुलवारी शरीफ में पीएफआई के सदस्यों के पास से इंडिया 2047 नाम का 7 पेज का डॉक्यूमेंट भी मिला था। इसमें अगले 25 साल में भारत को मुस्लिम राष्ट्र बनाने की प्लानिंग थी।

छापेमारी के बीच डोभाल ने की अमित शाह से मुलाकात

गुरुवार को जब देशभर में पीएफआई के ठिकानों पर छापेमारी चल रही थी तो एनएसए अजीत डोभाल, एनआईए चीफ व आईबी के अधिकारियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की है। पीएफआई के मामले में जांच एजेंसी के सूत्रों का कहना है कि इस संगठन की गतिविधियों पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी। खाड़ी देशों से आर्थिक मदद मिलने के सबूत भी मिले हैं। परिवार का रखरखाव, इस मदद के नाम पर विदेश से धन आने की बात कही जा रही है। इस धन का इस्तेमाल कहां हो रहा है, इस मामले में ठोस साक्ष्य मिलने के बाद ही एनआईए ने जांच का दायरा बढ़ा दिया था।

एजेंसियां यह पता लगा रही हैं कि इस संगठन के कितने पदाधिकारी पाकिस्तान या दूसरे मुल्कों में गए हैं। देशभर में खेल, सामाजिक कार्य एवं दूसरे मामलों में ट्रेनिंग की गतिविधियों के नाम पर चल रहे कैंपों को पैसा कहां से मिल रहा है।

एसडीपीआई वर्कर ने लगाए 'एनआईए गो बैक' के नारे

गुरुवार सुबह जब एनआईए के छापों की खबर आई, तो पीएफआई व एसडीपीआई के पदाधिकारियों ने विरोध प्रदर्शन करने का प्रयास किया। हालांकि इस बीच एनआईए ने पीएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओएमएस सलाम और दिल्ली इकाई का कामकाज देख रहे परवेज अहमद सहित सौ से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आंध्र प्रदेश के करनूल जिले में एसडीपीआई कार्यकर्ताओं ने 'एनआईए गो बैक' के नारे लगा दिए। सूत्रों का कहना है कि एनएसए अजीत डोभाल द्वारा चेताने के बाद केंद्रीय एजेंसियों ने पीएफआई को टारगेट पर लिया था। जांच एजेंसी ने जब आतंकी मामलों की जांच के दौरान केरल में पीएफआई के ठिकाने पर दबिश दी, तो आगे की कड़ियां जुड़ती चली गईं। अगली कड़ी में तेलंगाना का नंबर आया। जांच एजेंसी को यहां पर ट्रेनिंग कैंप और विदेशी फंडिंग को लेकर कई अहम सबूत हाथ लगे।

पीएफआई नेता कासिमी ने विवादित बयान दिया था

18 सितंबर को केरल के कोझिकोड में एक रैली के दौरान **पीएफआई** नेता अफजल कासिमी ने कहा था- संघ परिवार और सरकार के लोग हमें दबाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इस्लाम पर जब भी खतरा होगा, तब हम शहादत देने से पीछे नहीं हटेंगे। कासिमी ने कहा- यह आजादी की दूसरी लड़ाई है और मुसलमानों को जिहाद के लिए तैयार रहना है।

2007 में गठन, 20 राज्यों में विस्तार

2007 में मनिथा नीति पसाराई और नेशनल डेवलपमेंट फंड नामक संगठन ने मिलकर पॉपुलर फ्रंट इंडिया का गठन किया था। ये संगठन शुरुआत में दक्षिण भारत के राज्यों में ही सक्रिय था, लेकिन अब यूपी-बिहार समेत 20 राज्यों में इसका विस्तार हो चुका है।

यूएन में भारत ने पाक को घेरा

शर्मनाक रिकॉर्ड वाले पाक का अल्पसंख्यक अधिकारों पर बात करना विडंबना

नई दिल्लीः अल्पसंख्यक अधिकारों को लेकर संयुक्त राष्ट्र में भारत को घेरने की कोशिश में पाकिस्तान को ऐसे पलटवार का सामना करना पड़ा, जिसने उसकी बोलती बंद कर दी। यूएनईएस में अल्पसंख्यक अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र की बैठक में भारत की तरफ से यूएनईएस के संयुक्त सचिव श्रीनिवास गोत्रू ने कहा कि यह विडंबना है कि अल्पसंख्यक अधिकारों के गंभीर उल्लंघन का शर्मनाक इतिहास रखने वाला पाकिस्तान अल्पसंख्यक अधिकारों की बात कर रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अपने अल्पसंख्यकों को

खत्म कर दिया। सिख, हिंदु, ईसाई अल्पसंख्यकों के साथ-साथ अहमदियों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन जारी है। वहां कई ऐसे समुदाय हैं जो विलुप्त होने की स्थिति में हैं। बड़ी संख्या में महिलाओं व बच्चों, खास तौर पर अल्पसंख्यक समुदाय की लड़कियों का अपहरण, धर्म परिवर्तन और जबरन विवाह किया जा रहा है।

एक व्यक्ति एक पद का नियम लागू होगाः राहुल, कांग्रेस अध्यक्ष की रेस में अब 5 नाम

गहलोत होंगे अध्यक्ष तो छोड़नी होगी सीएम कुर्सी!

कोच्चिः कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव के लिए गुरुवार को नोटिफिकेशन जारी किया गया। इस बीच जानकारी मिली है कि शशि थरूर और अशोक गहलोत के बाद मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और पूर्व केंद्रीय मंत्री मनीष तिवारी भी अध्यक्ष का चुनाव लड़ सकते हैं। इधर तिवारी से जुड़े करीबी सूत्रों ने बताया कि वे पार्टी के स्टेट डेलीगेट्स से मिलने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र में गए थे। ये स्टेट डेलीगेट्स चुनाव में वोटर हैं। अध्यक्ष पद के हर उम्मीदवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी

के का चुनाव लड़ने के लिए 10 डेलीगेट्स की जरूरत होती है। ये डेलीगेट्स ही उम्मीदवार के नाम को प्रस्तावित करते हैं।

राहुल गांधी ने गुरुवार को कोच्चि में पार्टी के अध्यक्ष पद के दावेदारों को संकेत और सलाह भी दीं। उन्होंने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के अध्यक्ष और सीएम पद साथ रखने की इच्छा पर कहा कि उदयपुर अधिवेशन में एक व्यक्ति-एक पद पर हमने जो फैसला किया था, वह कायम रहेगा। हालांकि गहलोत ने सुबह ही कह दिया था कि अध्यक्ष का पद एक व्यक्ति-एक पद के दायरे में नहीं आता, लेकिन इतिहास में कोई कांग्रेस अध्यक्ष मुख्यमंत्री नहीं रहा, इसलिए फैसला करना पड़ेगा।

राहुल ने अध्यक्ष पद के दावेदारों को सलाह दीः कोच्चि में राहुल गांधी से जब कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव में उनकी भूमिका पर सवाल किया गया तो वे बोले- मेरा जवाब वही है।

इमाम संगठन प्रमुख ने भागवत को 'राष्ट्रपिता' कहा

नई दिल्लीः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (संघ) के प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को ऑल इंडिया इमाम ऑर्गनाइजेशन के प्रमुख इमाम डॉ. उमर अहमद इलियासी से मस्जिद में जाकर मुलाकात की। दिल्ली के कस्तूरबा गांधी मार्ग मस्जिद के बंद कमरे में दोनों के बीच करीब एक घंटे मीटिंग चली। किसी मुस्लिम धार्मिक संगठन के प्रमुख से संघ चीफ की मस्जिद में यह पहली मुलाकात है। मुलाकात के बाद मीडिया ने डॉ. उमर अहमद से पूछा कि भागवत ने कुछ समय पहले 'हिंदू-मुस्लिम का डीएनए एक' वाला बयान दिया था, इस पर आप

क्या कहेंगे? इमाम ने जवाब में कहा- जो उन्होंने कहा वो सही है, क्योंकि वे राष्ट्रपिता और राष्ट्र ऋषि हैं। जो उन्होंने कह दिया वो ठीक है।

सांप्रदायिक सौहार्द मजबूत करने की कवायदः मीटिंग में भागवत के साथ सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल और संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार, रामलाल और हरीश कुमार भी मौजूद थे।

सुप्रीम कोर्ट में हिजाब विवाद पर सुनवाई पूरी की, फैसला सुरक्षित

नई दिल्लीः सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हिजाब मामले पर गुरुवार को सुनवाई पूरी करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस हेमंत गुप्ता और सुधांशु धूलिया की बेंच ने इस मामले की 10 दिनों तक सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने हिजाब समर्थक याचिकाकर्ताओं के अलावा कर्नाटक सरकार और कॉलेज शिक्षकों की भी दलीलें सुनीं। सुनवाई के दौरान 21 सितंबर को कर्नाटक सरकार के अलावा उन कॉलेज शिक्षकों की ओर से जिरह की गई जिन्होंने कॉलेज में हिजाब पहनने से मना किया था। कोर्ट ने कर्नाटक सरकार से हिजाब के पीछे की साजिश के मामले में दाखिल चार्जशीट और सर्कुलर में लिखे कन्नड़ शब्दों के अनुवाद की प्रति मांगी। सुनवाई के दौरान कर्नाटक

सरकार के एडवोकेट जनरल प्रभुलिंग नवाडगी ने कहा कि हिजाब कोई अनिवार्य धार्मिक परम्परा नहीं है। कुरान में उसके जिक्र मात्र से वो धर्म का अनिवार्य हिस्सा नहीं हो जाता। कुरान में लिखा हर शब्द अनिवार्य परंपरा नहीं कहा जा सकता है। इस पर जस्टिस गुप्ता ने कहा कि हिजाब समर्थक पक्ष का मानना है कि जो भी कुरान में लिखा है, वो अल्लाह का आदेश है। उसे मानना अनिवार्य है। तब नवाडगी ने कहा कि हम कुरान के विशेषज्ञ नहीं है, पर खुद सुप्रीम कोर्ट का पुराना फैसला है कि कुरान में मौजूद हर शब्द धार्मिक हो सकता है, पर जरूरी नहीं कि वो अनिवार्य धार्मिक परंपरा हो। जस्टिस हेमंत गुप्ता ने कहा कि मैं लाहौर हाईकोर्ट के एक जज को जानता हूं, वो भारत भी आया करते थे। मैंने कभी उनकी लड़कियों को हिजाब पहने हुए नहीं देखा। जब मैं यूपी और पटना जाता हूं, तो कई मुस्लिम परिवारों से बातचीत होती है।

आक्रोशः पंजाब में पटरी पर किसान

सरकार का काम बोलता तो प्रदेश में प्रदर्शन नहीं होते, सिर्फ विज्ञापन में बोल रहा

चंडीगढ़ः भारतीय किसान यूनियन एकता उगराहां ने अहम मुद्दों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ रेल रोको आंदोलन किया। सुनाम रेलवे स्टेशन के सामने रेलवे ट्रैक पर धरना दिया और सरकार के खिलाफ जमकर रोष व्यक्त किया। आंदोलन में हजारों की संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उगराहां ने आंदोलन को संबोधित किया और आप सरकार के छह माह पूरे होने पर काम बोलता है के स्लोगन की जमकर हवा निकाली। उगराहां ने कहा कि विधानसभा में

बेशक सरकार के पास भरोसा है लेकिन इस सरकार से आम जनता का भरोसा पूरी तरह से उठ चुका है। अगर सरकार का काम बोलता तो किसान धरने पर नहीं होते। अगर सरकार का काम बोलता तो बेरोजगार धरने नहीं देते। पंजाब में नशा नहीं बिक रहा होता। मुख्यमंत्री का काम बोलता होता तो किसान व मजदूर का कर्ज माफ होता। मुख्यमंत्री का काम तो सिर्फ विज्ञापनों में बोल रहा है।

खबर संक्षेप

युवती का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले तीन पर दर्ज हुआ मुकदमा

मऊआइमा। अपने मंगेतर से मिल रही युवती को पकड़ कर अश्लील हरकतें करने और वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर वायरल कर आबरु की धज्जियां उडाने पर तीन के खिलाफ संगीन धाराओं में मऊआइमा पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम किरांव निवासनीय एक युवती तथा सोरांव थाना क्षेत्र बर्जी के एक युवक की सगाई हो गई है। बताते हैं कि ग्राम सिंसई सिपाह और सोरांव सीमा पर नहर के किनारे दोनों मिल रहे थे। बताया गया है कि इसी दरम्यान मऊआइमा के ग्राम सिंसई सिपाह निवासी मोहम्मद वसीक पुत्र शरीफ ,जिक्रया पुत्र कय्यूम ,मासूक पुत्र मसीक नहर के पास पहुंच कर युवती को पकड कर अश्लील हरकतें करते हुए वीडियो बनाने लगे और वीडीओ बनाते समय उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। वीडियो कई दिनों से वायरल हो रहा था । जिससे युवती और युवक की सामाज में आबरू तार तार हो रही थी। जिसपर इंस्पेक्टर मऊआइमा सुरेश सिंह स्वयं वादी बनकर संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया है। तथा आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए दबिश दे रही है।

पेट्रोल टंकी पर धू-धूकर जली कार

टला बड़ा हादसा : फायरकर्मियों ने पेट्रोल पंप को जलने से बचाया

अखंड भारत संदेश

पेट्रोल पर जलती कार को फायर ब्रिगेड के कर्मचारी बुझाते हुए

शंकरगढ़। शंकरगढ़ थाना क्षेत्र के नारीबारी पुलिस चौकी समीप भारत नगर में स्थित भारत पेट्रोलियम के पेट्रोल पंप में गुरुवार की सुबह उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब ईंधन लेने आई एक कार में आग लग गई। पलक झपकते ही कार पूरी तरह से आग की लपटों में घिर गई और पंप कर्मियों को बचाव का कोई मौका नहीं मिला।पंप पर आग की लपटों में घिरी कार से पंप की मशीनों तक आग पहुंचने लगी। हालांकि समय रहते पहुंचे फायरकर्मियों व पंप कर्मियों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। यदि तनिक भी देर हो जाती है तो भारतनगर में स्थित उक्त पेट्रोल पंप आग की चपेट में आ सकता था। उस समय स्थिति को नियंत्रित कर पाना काफी मुश्किल हो जाता।

फिलहाल गुरुवार को सुबह यमुनापार के नारीबारी क्षेत्र में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। बताया जाता है कि यह हादसा उक्त कार में पेट्रोल डालते समय हुआ। आग कैसे लगी, यह पूरी तरह से साफ नहीं हो पाया है। इस हादसे को लेकर घंटों अफरातफरी का माहौल रहा। प्रयागराज पुलिस ने बताया कि स्थानीय पुलिस व फायर ब्रिगेड की संयुक्त कार्यवाही में आग पर काबू पा लिया गया है। किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। नारीबारी चौकी प्रभारी संतोष सिंह ने बताया कि दिल्ली के नंबर वाली कार (डीएल3सी-बीजे-4745) से दो लोग तेल भरवाने के लिए आए थे। तेल भरा जा रहा था। इसी दौरान आग लग गई। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है।

पैसे के बटवारे को लेकर की गई थी भंडारी को हत्या

मऊआइमा। मऊआइमा क्षेत्र के ग्राम गमरहटा नहर में एक युवक की हत्या कर शव फेंका हुआ। पुलिस ने 17 सितम्बर को बरामद किया था। जिसकी शिनाख्त राम कृपाल यादव उर्फ भंडारी 34 वर्ष पुत्र राम शिरोमणि ग्राम होशियारपुर पटटी प्रतापगढ़ के रूप में हुई थी। बाद में पता चला कि मृतक पटटी थाने का हिस्ट्रीशीटर और पचीस हजार का ईनामिया बदमाश था। मृतक के चाचा हरिनाथ ने मऊआइमा थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। गुरूवार को मऊआइमा पुलिस ने एक आरोपी निखिल कुमार यादव पुत्र राजबहादुर यादव ग्राम भैसौना रानीगंज प्रतापगढ़ से पूछ ताछ की तो पता चला कि भंडारी की हत्या ईट भटठे पर पार्टनर में चल रहे भटठे पर पैसों के बटवारे को लेकर हुई। भंडारी की हत्या भटठे पर करके चार पहिया वाहन से शव लाकर मऊआइमा के गमरहटा नहर में फेंक दी गई। पुलिस ने निखिल यादव को जेल भेज कर फरार पप्पू यादव, शैलेंद्र पांडेय की तलाश में जुटी हुई है । बता दे कि भंडारी हत्या कांड में पुलिस ने एक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार निखिल यादव ने हत्या की बात कबूला किया है कि चार पहिया वाहन से लाकर मऊआइमा के गमराहटा नहर में फेकी गई थी लाश।

न्यूज झरोखा

जलनिगम के मनमाने रवैए से जनता परेशान

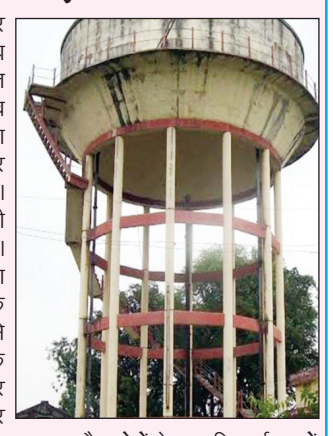

सिरसा। प्रयागराज मेजा लखनपुर गांव स्थित जल निगम विभाग क्षेत्रिय लोगों के लिए ढाक का पात साबित हो रहा। विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों की लापरवाही का आलम यह है कि महीनों महीनों भर जलापूर्ति नहीं करा पा रहे हैं। जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्र में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। पिछले एक पखवाड़े से ज्यादा समय से आपूर्ति ठप है। जिसके कारण लोग पानी की समस्या से जूझ रहे थे। हफ्ते में दो दिन के लिए आई आपूर्ति पुनः पुराने ढर्रे पर चली गई। जिसे लेकर एक बार फिर पानी की समस्या से लोगों को जूझना पड़ रहा है। लोगों ने कहा कि कई सालों से यह समस्या बरकरार है। लेकिन विभाग लापरवाह बना हुआ है ।वही देखा जाए तो मेजा रोड बाजार में कहीं भी हैंडपप नहीं है। जिसके लिए उन्हें पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। लेकिन जलनिगम के आला अधिकारियों और कर्मचारियों के मनमाने रवैए से जनता को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। बड़े अधिकारियों से शिकायत के बाद भी इस समस्या का निदान आज तक नहीं हो पाया।

आंगनबाड़ी केंद्र जगौती में स्वस्थ बालक बालिका स्पर्धा का आयोजन हुआ सम्पन्न

करछना। जिला अधिकारी प्रयागराज द्वारा घोषित बालविकास परियोजना अधिकारी करछना आनन्द सिंह द्वारा निर्देशित कुपोषित बच्चों का वजन करके व नाटे कद के बच्चों की लम्बाई नापने के बाद स्वस्थ बालक बालिकाओं की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तौल के बाद जो बच्चे पौष्टिक आहार सेवन करके स्वस्थ हुए हैं उन नौनिहाल बच्चों को आंगनबाड़ी कार्यकर्ती आशा सोनी द्वारा शिक्षण सामग्री व खेल के सामान पुरस्कृत किया गया गाम पधान व स्वास्थ्य विभाग से। एनम मैडम ने भी बच्चों को पुरस्कृत किया इस प्रतियोगिता से बच्चों में उत्साह देखने को मिला आंगनबाड़ी केंद्र पर बाल विवाद प्रतियोगिता में गाम पधान दीपक पटेल डा दिनेश कुमार सोनी अरुण कुमार मिश्र जन्म श्रद्धा सिंह आशा बहू कान्ती पटेल समूह सखी ऊषा विश्व कर्मा संजीत पटेल किरन मिश्रा नफीसा बेगम रंजना विश्व कर्मा शीखा पाण्डेय खुशबू मौर्या रिया मिश्रा आंगनबाड़ी में गांव की पात्र महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया अन्त में सफल आयोजन के लिए आशा सोनी ने सबका आभार व्यक्त किया

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई चालक घायल

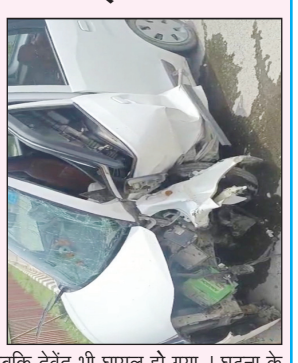

करछना। क्षेत्र के अंतर्गत बेंदौ गांव के सामने मिजार्पुर प्रयागराज हाईवे पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर मार्ग में बने डिवाइडर से भिड़ा चालक हुआ घायल। जानकारी के मुताबिक प्रयागराज के मेंहदौरी तेलियरगंज निवासी देवेंद्र मिश्रा जो पेशे से चिकित्सक है। और वह मेजा के मदरा मुकुंदपुर गांव में बने होम्योपैथिक अस्पताल में कार्यरत है। गुरुवार दोपहर के वक्त अपनी कार से घर के लिए लौट रहा था। अभी वह बेंदौ गांव के सामने पहुंचा था तभी कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गयी। हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई जबकि देवेंद्र भी घायल हो गया । घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। जहा उपस्थित लोगों ने घायल चालक को कार से बाहर निकालकर पास के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए भेज दिया।

जवानों की बटालियन ने माँ बम्बा देवी धाम पर किया वृक्षारोपण , बताया पर्यावरण का महत्व

करछना। भारतीय सेना की 137 सीईटीएफ बटालियन टीए 39 गोरखा राइफल ने मिशन नमामी गंगे के सौजन्य से करछना तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत हरदुआ गांव स्थित माँ बम्बा देवी धाम पर वृहद रूप से वृक्षारोपण किया गया। वृहद रूप से वृक्षारोपण कार्यक्रम मे उपस्थित सूबेदार मिलन मागर ने कहा कि हमें पर्यावरण का महत्व समझना होगा। पर्यावरण का औचित्य बनाए रखने के लिए सभी को वृक्षारोपण करना आवश्य है। सूबेदार मिलन ने कहा कि गुरूवार को तीन सौ से अधिक पौधों के साथ एक विशाल वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया, जिसमें जमीनी स्तर पर ग्रामीण शामिल थे, जिसमें सभी ने खुद को प्रकृति के प्रति समर्पित करने का संकल्प लिया। सेना ने कहा कि जिले में हरियाली को और बढ़ावा देने और स्वच्छ वातावरण का संदेश फैलाने के लिए यह अभियान जारी रहेगा। वहीं स्थानीय लोगों ने भी इस अभियान में उत्साह के साथ भाग लिया और कहा कि सेना को आगे भी अपने इस अभियान को जारी रखना चाहिए और हर क्षेत्र में इस तरह के अभियान को चलाया जाना चाहिए ताकि हमारा क्षेत्र हरा भरा हो सके। इस मौके पर मेराज खान,निर्मल सिंह, सुखदेव प्रसाद के साथ दर्जनो कि संख्या मे भारतीय सेना के जवान मौजूद रहे।

जानलेवा हमले के अभियुक्त समेत तीन चोर गिरफ्तार

शंकरगढ़। शंकरगढ़ थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के वांछित अभियुक्त समेत तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। चोरों के कब्जे से चुराया हुआ सामान भी बरामद हुआ है। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर एक हत्या के प्रयास समेत चार को गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से चोरी के इंजन के पार्ट्स, लोहे के चैनल बरामद हुआ है। गिरफ्त में आए अभियुक्त लखन पुत्र कुबेर (निवासी रावण टोला कस्बा, शंकरगढ़), रविशंकर पुत्र सुखलाल (निवासी ग्राम बेनीपुर, शंकरगढ़), संजय आदिवासी पुत्र जयनारायण आदिवासी (निवासी ग्राम कटहा, बेनीपुर, शंकरगढ़) और उस्मान पुत्र स्व. साबित अली (निवासी लखनपुर, शंकरगढ़) को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार करने वाली टीम में सब इंस्पेक्टर ऋतुराज सिंह, अजीत कुमार वर्मा, दीपक कुमार सिंह, कांस्टेबल शशिकांत यादव, बलिराम सिंह, इंद्रजीत यादव, गोपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

आप पार्टी ने आप महिला शक्ति टीम और निशुल्क विधि सहायता टीम का हेल्पलाइन नंबर किया जारी

करछना। आम आदमी पार्टी करछना विधानसभा ने महिलाओं की सहायता के लिए आप महिला शक्ति टीम और आप निशुल्क विधि सहायता टीम का गठन किया है। करछना विधानसभा अध्यक्ष गजनफर अब्बास एडवोकेट जी ने बताया कि पांच सदस्यीय महिला शक्ति टीम का नेतृत्व श्रीमती सुमन देवी करेंगी ,टीम के अन्य सदस्य पूनम देवी, रेहाना बेगम, सावित्री देवी, मंजू राव होगी जिसका हेल्पलाइन नं 930579629 होगा।आप जिला उपाध्यक्ष श्रीमती नेहा सिंह महिला शक्ति टीम का मार्गदर्शन करेगी।पांच सदस्यीय निशुल्क विधि सहायता टीम के अध्यक्ष अधिवक्ता उच्च न्यायालय इलाहाबाद विनोद कुमार सिंह पटेल होगे,टीम के अन्य सदस्य श्याम सिंह, श्याम बाबू, अंजीत कुमार वर्मा,वसी अब्बास होंगे,निशुल्क विधि सहायता टीम का हेल्पलाइन नंबर 8127546925। इससे करछना विधानसभा क्षेत्र की आम जनता को काफी राहत मिलेगी।

घर घर जाकर पत्रक बांट व गोष्ठी का अयोजन कर जल संरक्षण के प्रति किया जागरूक

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। बढ़ती हुई जनसंख्या और औद्योगिकरण व कृषि खाद्यनो की पूर्ति हेतु जल की मांग दिनों दिन बढ़ती जा रही है। जिसके कारण भूजल स्तर को बढ़ाने बचाए रखने के लिए जल संरक्षित करना अति महत्वपूर्ण है। उक्त बातें गुरुवार के दिन जल संरक्षण जागरूकता मिशन के दौरान घूरपुर में आयोजित गोष्ठी में भाजपा पिछड़ा मोर्चा यमुनापार के जिला अध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल ने कही। इसके बाद यमुनापार के समस्त जिला पदाधिकारी व मंडल अध्यक्ष अपने अपने क्षेत्र के जसरा, शंकरगढ़, नारीबारी, मेजा, कोराव, करछना क्षेत्र के गांवों के घर घर जाकर पत्रक बांट कर जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरुक किया। भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष शिव दत्त पटेल ने कार्यकताओं का हौसला अफजाई किया। इस बीच भाजपा के कार्यकताओं ने पत्रक बांटते हुएलोगो को बताया कि जल ही जीवन है जिन ग्रहों पर जल नहीं है वहा जीवन ही नहीं है। इस लिए वर्षा जल हो या नल का जल हो उसे बचाना अति आवश्यक है। साथ ही जल संरक्षण के विभिन्न तरीकों से अवगत कराते हुए संकल्प दिलाया। साथ ही कुओ का पुनरोद्वार, फब्बारा सिंचाई विधि, मिट्टी का बांध, आदि तरीको के प्रति जागरूक किया। मिशन में अखिलेश सिंह, आशीष पाल, राम राज सिंह, सूर्य प्रताप सिंह, अतर सिंह कुशवाहा, धर्म राज पाल, बलराम सिंह, संतोष पटेल, संतरा देवी आदि दर्जनों भाजपाई शामिल रहे।

भाजपा पिवमो के पदाधिकारी व कार्यकताओं ने जल संरक्षण मिशन में झोंकी ताकत

जल संरक्षण मिशन की आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते भाजपा जिला अध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल

इंटरसिटी सहित विभिन्न रेलगाड़ियों का परिचालन 3 अक्टूबर तक निरस्त

जंघई। वाराणसी- लखनऊ रुट पर चलने वाली पैसेंजर एवं एक्सप्रेस ट्रेनों में रेलवे ने 3 अक्टूबर तक के लिए कुछ ट्रेनों को निरस्त कर दिया है एवं कुछ ट्रेनों का रुट बदल दिया है। रेलवे विभाग द्वारा प्रतापगढ़ जंक्शन पर यार्ड व रिमॉडलिंग का कार्य चलने के कारण ट्रैफिक ब्लॉक लिए जाने का उक्त निर्णय लिया है। जिसके चलते कुछ ट्रेनों को निरस्त कर दिया गया एवं कुछ ट्रेनों के मार्ग को बदल दिया गया है जिससे यात्रियों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।वाराणसी से चलकर हरिद्वार देहरादून को जाने वाली अप डाउन जनता एक्सप्रेस तथा हावड़ा से चलकर अमृतसर को जाने वाली अप डाउन पंजाब मेल 3 अक्टूबर तक फाफामऊ-ऊंचाहार-रायबरेली के रास्ते से होकर जाएगी। जबकि लखनऊ वाराणसी इंटरसिटी सहित कई अन्य ट्रेनों को 3 अक्टूबर तक के लिए निरस्त कर दिया गया है जिससे यात्रियों की दिक्कतें बढ़ गई है।इस संबंध में स्टेशन अधीक्षक जंघई वीके सिंह ने बताया कि प्रतापगढ़ स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य को पूरा करने के लिए ब्लॉक जारी किया गया है।

सेवा पखवाड़ा के छठे दिन जल संरक्षण के तहत जल है तो कल है पर भाजपाइयों ने किया संवाद

जसरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन की छठे दिन सेवा पखवाड़ा के तहत कार्यक्रम जल संरक्षण के अंतर्गत जल ही जीवन है इस विषय में संगोष्ठी आयोजित हुई। जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा जिला मंत्री कमलेश त्रिपाठी ने कहा की पानी की एक एक बूंद बहुत कीमती है इसे व्यर्थ में न बहाए जितनी आवश्यकता हो उतना ही खर्च करे। अध्यक्षता करते हुए मंडल अध्यक्ष जसरा जगत नारायण शुक्ला ने कहा की बारिश के पानी को तालाबों और पोखरों में इकट्ठा करें। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों एवं कार्यकताओं का मंडल महामंत्री नीरज केसरवानी ने अभिनंदन किया और कहा कि हैंडपंप, समर्सिबल का उपयोग उतना ही करें जितनी आपको आवश्यकता हो व्यर्थ न जाने दे। संचालन महामंत्री भूपेन्द्र पाठक ने किया कार्यक्रम में उपस्थित पिछड़ा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष सुधाकर सिंह, होरीलाल केसरवानी, विजय बहादुर भदौरिया, सुधांशू मिश्रा, रावेंद्र तिवारी, जसरा प्रधान आशीष सोनकर, ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। जल संरक्षण कार्यक्रम में मुख्य रूप से दीपचंद्र मोदनवाल, विवेक सिंह भदौरिया, रंजीत गुप्ता, सुरेंद सोनकर, कल्पना मिश्रा, बबिता सिंह, प्रवीण मालवीय, राकेश पाठक, पुष्कर शुक्ला, हजारी लाल पटेल,स्वतंत्र शुक्ला, क्षेत्रिय ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहें।

बिप्र धेनु सुर संत हित लीन्ह मनुज अवतार। निज इच्छा निर्मित तनु माया गुन गो पार॥

अखंड भारत संदेश

जंघई। श्री राम जानकी मंदिर जंघई रामलीला के तृतीय दिवस में भगवान श्री राम का प्राकट्य हुआ। रामलीला मंचन में ब्राह्मण, गो, देवता और संतों के लिए भगवान ने मनुष्य का अवतार लिया। भगवान अज्ञानमयी, मलिना, माया और उसके गुण सत, रज, तम और बाहरी तथा भीतरी इंद्रियों से परे हैं। भगवान का दिव्य शरीर उनकी इच्छा से ही बना है किसी कर्म बंधन से परवश होकर त्रिगुणात्मक भौतिक पदार्थों के द्वारा नहीं बना है। रामलीला का मंचन महंत चंद्रमा दास जी महराज के मार्गदर्शन में चल रहा है।पात्रों में वशिष्ठ ऋषि शारदा, दशरथ हुब नारायण, राम आदित्य भरत उत्कर्ष, लक्ष्मण साहिल, शत्रुघ्न आदर्श एवं सुमंत का पाठ सुजीत ने अभिनय किया।इस अवसर पर रामलीला कमेटी सदस्यों के अलावा सैकड़ों दर्शक रामलीला मंचन को देखकर भाव-विभोर हो गये।

पहले प्रमुख के कार्यालय से बैटरी चोरी फिर प्रधान की उड़ाई बुलेट

अखंड भारत संदेश

घूरपूर। घूरपुर थाना क्षेत्र के गौहनिया चौकी क्षेत्र इन दिनों चोर उचक्कों का मुफीद ठिकाना बनता जा रहा है । यात्रियों से मोबाइल पर्स झपट्टा मार के भागने के बाद अब चोर प्रमुख कार्यालय व अस्पताल के सामने हाइवे पर खड़ी बुलेट को भी पार करके चौकी गौहनिया को चुनौती दे दी है । अब देखना यह है कि क्या इन प्रमुख स्थानों पर हुई चोरियों का खुलाशा गौहनिया पुलिस लगा पाती है ,या फिर जैसे पहले की घटनाओं में लीपापोती होती थी उसी तरह ठंडे बस्ते में जांच की कार्रवाई डाल दी जाएगी। घूरपुर थाने सहित गौहनिया पुलिस चौकी के दोनो प्रभारियों की अभी हाल में ही नियुक्ति हुई है । चौकी गौहनिया के प्रभारी तारा चन्द्र बनाये गए है । तारा चंद्र के कमान संभालते ही ब्लॉक मुख्यालय परिसर के भीतर स्थित ब्लॉक प्रमुख के कार्यालय के दरवाजे का ताला तोड़ घुसे चोरों ने कई बैटरी समेत अन्य उपकरण गायब कर दिया । पुलिस प्रमुख कार्यालय में हुई चोरी का कुछ खुलासा कर पाती कि इसके पहले ही चोरों ने बुधवार की शाम मनकवार ग्राम प्रधान की बुलेट गौहनिया के हाईवे किनारे स्थित एक निजी अस्पताल के सामने से पार कर दी। इससे पूर्व भी बुंदावा जसरा स्थित एक निजी विद्यालय के कार्यालय का ताला तोड़ चोरों ने नकदी समेत विद्यालय के जरूरी दस्तावेज उठा ले गए थे।

सेंधमारी कर चोरों ने नगदी सहित लाखों के समान उड़ाए

मऊआइमा। बेटे की शादी के लिए रखे लाखों के जेवरात और पच्चासी हजार नगदी सेंध मारी करके चोर चोरी कर ले गए। भुक्तभोगी ने मऊआइमा थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है। मऊआइमा क्षेत्र के ग्राम बसदेहया निवासी सुख लाल पटेल पुत्र तुलसीराम का परिवार आगे सोया था। बीती रात चोरों ने सेंधमारी करके कमरे की सन्दूक तोड कर बेटे की पडी शादी के लिए एकत्रित सोना ,चांदी के लाखों के जेवरात और पच्चासी हजार रुपये नगदी चोरी कर ले गए। सुबह चोरी की जानकारी होने पर सुखलाल पटेल ने मऊआइमा थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ तहरीर दी है।

चोरी करते दो को लोगों ने पकड़ा एक भागने में सफल

मऊआइमा। मऊआइमा में लगातार हो रही चोरी से लोगों का जीना हराम हो गया है। बीती रात कस्बा में एक स्थान पर चोरी करके दूसरे स्थान पर चोरी करते हुए लोगों ने दौडा कर पकड़ लिया जबकि एक भागने में कामियाब रहा। दोनों चोरों को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। मऊआइमा कस्बा निवासी अब्दुल रब कन्या पाठ शाला स्कूल के पास गोमटी रख कर चाय नाश्ता की दुकान खोले हुए हैं।बीती रात चोरों ने गोमटी तोड कर सामान साफ कर दिए यही नहीं अंसारी पब्लिक स्कूल में लगे बाइस पंखे भी चोरी किए। नगर पंचायत की नाली के ऊपर लगे लोहे की जाली चोरी कर बेच रहे थे। बीती रात एक अन्य स्थान पर चोरी करते हुए लोगों ने दौडा कर पकड़ लिया एक भागने में सफल रहा। दोनों चोरों ने अपना नाम सुहैल मोहल्ला पूरे मियां जी। दूसरा चोर अपना नाम रामजी केसरवानी मोहल्ला गंजियाबाजार बता रहा था। दोनों को पुलिस हिरासत में लेकर उनके अन्य साथियों का पता लगाने में जुटी हुई है।

बाजरा काटने पर हुआ खूनी संग्राम दी तहरीर

सोरांव। तहसील के रूदी का पूरा गोहरी गांव में मंगलवार व बुधवार को गांव के ही चफरही पत्नी मयंक व सवारी देवी पत्नी राम कुमार, सधनही पत्नी गिरीश,पुत्री मोहिनी व स्वरूप चंद्र पुत्र संतलाल ने दूसरे के खेत से बोए गए बाजरे को जबरदस्ती व दबंगई के बल पर काट रहे थे। इतने में जब खेत मालिक आया और मना करने लगा। जिसको लेकर विपक्षियों ने उनके साथ मारपीट किए। रूदी का पूरा गोहरी थाना फाफामऊ निवासी रामानंद पटेल का आरोप है कि मेरे जमीन का उप जिला अधिकारी सोरांव में धारा 41 पैमाइस के लिए मुकदमा चल रहा था। जिसकी पैमाईस भी हो गई है। जिसको लेकर विपक्षियों ने उस विवादित मुकदमे की जमीन पर बोए गए बाजरे को काटने लगे। जब मेरा लड़का नीरज कुमार बाजरा काटने से मना किया। तो उक्त विपक्षियों ने एक राय होकर मेरे बेटे को मारे पीटे जिससे उसके सिर व पेट में गंभीर चोटें आई है। शोर गुल सुनकर वादी के घर की औरते भी आ गईं तो विपक्षियों ने उनको भी मारे पीटे। तथा गले से मंगल सूत्र भी छीनकर उठा ले गए। जिसको लेकर रामानंद पटेल ने फाफामऊ थाने पर तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। और विपक्षियों पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

राजू श्रीवास्तव के निधन से कवियों कलाकारों व साहित्यकारों में गहरा शोक

करछना। हंसी ठहाकों के बीच राजनीतिक विसंगतियों, सामाजिक विषमताओं आम आदमी के जीवन व्यथा को एक अलग अंदाज में कामेडी के जरिए अद्भुत अभिव्यक्ति के साथ प्रस्तुत करने वाले राजू श्रीवास्तव अनोखी प्रतिभा के धनी थे। ऐसे कलाकार का असमय जाना कॉमेडी की दुनिया में एक बड़ा हादसा है। यह बात रामपुर स्थित लोकमंगल संस्थान हुई एक शोक सभा के दौरान संस्थान के निदेशक डा.भगवत पाण्डेय ने कही। वरिष्ठ गीतकार डॉ राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि राजू ने अपनी कॉमेडी में सदैव ओछेपन से बचते बचाते संदेशपरक शुद्ध हास्य की अमिट छाप छोड़ गये। जमुनापार लोक कलाकार समिति के अध्यक्ष श्यामलाल बेगाना ने कहा कि बदलते दौर में राजू ने स्टैंडिंग कामेडी में एक अलग पहचान बनाई। सभी ने शोक व्यक्त करते हुए 2 मिनट का मौन रख दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर रामलोचन सांवरिया, अशोक बेशरम, संतोष शुक्ला समर्थ, डा.वीरेंद्र कुसुमाकर, जितेंद्र जलज, सबरेज अहमद, विपिन परिहार, रामबाबू यादव, सत्यवान, मोनू मस्ताना, मोहिनी श्रीवास्तव, फूलचंद्र, कुंवर सिंह समेत कई स्थानीय कर कलाकार मौजूद रहे।

गांव में लगा गंदगी का अंबार.....

भष्टाचार की भेंट चढ़ा ग्रामपंचायत गोशौरा कलां

नालियां चोक, गलियों में जलभराव व गंदगी का अंबार, कैसे होगी ब्लाक खंड उरूवा ग्राम पंचायत गोशौरा कलां की स्वच्छता

अखंड भारत संदेश

सिरसा। प्रयागराज ब्लाक खण्ड उरूवा ग्रामपंचायत गोशौरा कलां कस्बे के विभिन्न वार्डों में जगह-जगह नाली चोक होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। इससे लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है। ऐसे में सड़कों से वाहन गुजरने पर गंदे पानी की छीटें लोगों पर पड़ता है या फिर मकानों की दीवारों पर गिरता है। इससे आए दिन विवाद होते हैं। इस समस्या की ओर न तो ग्रामपंचायत न ही खण्ड विकास के कर्मचारी ध्यान दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाली गहरी कर साफ -सफाई करवा दी जाए तो समस्या खत्म हो जाएगी। ग्रामवासियों ने बताया कि सभी मोहल्लों का गंदा पानी यहीं से निकलता है, लेकिन नाली चोक होने के कारण पानी सड़क पर ही भरा रहता है। इससे आसपास के लोग बदबू से परेशान रहते हैं। नाली का पानी सड़क पर बहने से सड़कें भी क्षतिग्रस्त हो रही है। स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे भी मजबूरन गंदे पानी से होकर गुजरते हैं। ग्रामवासियों का कहना है कि इन दिनों कस्बे की मुख्य समस्या नाली व गंदगी है। नियमित साफ-सफाई नहीं होने से हर तरफ नाली का पानी सड़कों पर बहता है। वहीं गंदगी के कारण मच्छर भी तेजी से पनप रहे है। इससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। घरों से निकलने वाला गंदा पानी नालियों से ओवर फ्लो होकर बह रहा है। जिसके चलते स्थानीय लोग स्वयं ही नालियां साफ करते हैं। लेकिन नालियों में मलवा अधिक भरा होने के कारण सही तरीके से साफ नहीं हो पाती है। ग्रामवासियों का कहना है की कई बार ग्रामप्रधान से इस गन्दगी की समस्या को बताया गया लेकिन आश्वाशन के सिवा कुछ नही मिलता। इस दुर्घन्ध बदबूदार कीचड़ से ग्रामवासियों जीने को मजबूर हो रहे हैं। ग्रामप्रधान की लापरवाही से ग्रामवासियों को स्वच्छता की सुविधा से वंचित किया जा रहा है। प्रदेश की योगी सरकार चाहे जितने दावे करे कि यूपी में भष्टाचार पूरी तरह खत्म हो गया है भष्टाचारियो पर निरंतर करवाई की जा रही हैं लेकिन ग्रामपंचायत गोशौरा कलां भष्टाचार की भेंट चढ़ा है। ग्रामवासियों का कहना है कि ग्रामप्रधान साफ-सफाई की ब्यवस्था नही करते और ग्रामपंचायत सचिव ग्रामपंचायत में नही आते हैं।

खबर संक्षेप

वॉलीबाल क्लीनिक व रेफरी परीक्षा अक्टूबर में

अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल निर्णायकों की देखरेख में किया जाएगा प्रशिक्षित

मे जा। डिस्ट्रिक्ट वालीबॉल एसोसिएशन (डीवीए) प्रयागराज द्वारा इस वर्ष ऑफिसियल्स हेतु वालीबाल क्लीनिक एवं रेफरी परीक्षा का आयोजन माह अक्टूबर 2022 में किया जाना प्रस्तावित है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए एसोसिएशन के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने बताया कि आगामी अक्टूबर माह में अंतरराष्ट्रीय स्तर के वालीबाल निर्णायकों की देखरेख में क्लीनिक के माध्यम से एसोसिएशन के पंजीकृत निर्णायकों को प्रशिक्षण के साथ-साथ उन्हें तकनीकी जानकारी एवं नये नियमों से अवगत कराया जायेगा। तत्पश्चात उसी क्रम में वॉलीबाल के ऐसे खिलाड़ी जो रेफरी की लिखित परीक्षा में सम्मिलित होना चाहते हैं,वे आगामी 31 सितंबर 2022 तक परीक्षा फार्म भर दे और वॉलीबाल क्लीनिक में सम्मिलित होने के लिए आवेदन फार्म-1 को भरने हेतु एसोसिएशन के प्रधान कार्यालय मेजारोड़ में अथवा नेशनल रेफरी फूलचंद गुप्ता से संपर्क करके फार्म प्राप्त कर सकते हैं।

छात्रों ने तोड़ा विश्वविद्यालय के गेट का ताला, चीफ प्रॉक्टर से मारपीट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) में फीस वृद्धि के खिलाफ जारी आंदोलन के दौरान बृहस्पतिवार को छात्रों ने छात्रसंघ भवन के सामने इविवि परिसर के प्रवेश द्वार का ताला तोड़ दिया। इस दौरान छात्रों की सीधे प्रॉक्टर प्रो. हर्ष कुमार से झड़प हो गई। दोनों के बीच मारपीट हुई। प्रॉक्टर ने चार छात्रों एवं 15 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए कर्नलगंज थाने में तहरीर दी है।

छात्र प्रवेश द्वार पर ताला लगाए जाने का विरोध कर रहे थे। उन्होंने बृहस्पतिवार को दोबारा ताला तोड़ा। इस दौरान वहां मौजूद प्रॉक्टर प्रो. हर्ष कुमार से छात्र सीधे भिड़ गए। प्रॉक्टर उन्हें गेट खोलने से रोक रहे थे। सुरक्षा कर्मियों और छात्रों के बीच भी जमकर धक्कामुक्की हुई। चीफ प्रॉक्टर का आरोप है कि छात्र नेता आयुष प्रियदर्शी ने उन्हें लात मारी।छात्र नेता आयुष का आरोप है कि प्रॉक्टर ने लाती मारी, जिसके बाद घायल अवस्था में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रॉक्टर ने इस पूरे घटनाक्रम के लिए जिम्मेदार छात्र नेता आयुष प्रियदर्शी, सत्यम कुशवाहा, जितेंद्र धनराज, आदर्श भदौरिया एवं 15 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है।

विश्वविद्यालय में धरना प्रदर्शन करते छात्र

शिक्षकों और छात्रों के बीच होती बहस

दोपहर 12 बजे के आसपास हुई इस घटना के बाद प्रो. हर्ष कुमार ने वहां मौजूद पुलिस कर्मियों से कहा कि छात्रों पर तुरंत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए, वरना धरने पर बैठ जाएंगे। इस दौरान पुलिस कर्मी बीच बचाव की कोशिश में जुटे रहे। छात्रों ने दो घंटे बाद विश्वविद्यालय परिसर में प्रॉक्टर के पुतले की शवयात्रा निकाली। इस दौरान इविवि के सुरक्षा कर्मियों से उनका आमना-सामना हो गया और धक्कामुक्की शुरूहो गई। दोनों के बीच नौबत मारपीट तक पहुंच गई और पुलिस को फिर से बीच बचाव करना पड़ा। वहीं, फीस वृद्धि के विरोध में संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर तले छात्रसंघ भवन के सामने आमरणन अनशन भी जारी रहा। अनशन पर बैठने वालों में छात्र नेताअजय यादव सम्राट, अखिलेश यादव, अजय पांडेय, साश्रस्वत नितिन भूषण एवं सिद्धार्थ गोलू शामिल हैं।

एबीवीपी के छात्रों ने डीएसडब्ल्यू दफ्तर पर जड़ा ताला : फीस वृद्धि के विरोध में एबीवीपी के छात्रों ने बृहस्पतिवार को डीएसडब्ल्यू कार्यालय पर ताला जड़ दिया। एबीवीपी छात्र वहां 11 दिनों से पूर्णकालिक अनशन पर बैठे हुए हैं। छात्र ने चेतावनी दी कि फीस वृद्धि वापस नहीं हुई तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान छात्र नेता शिवम सिंह, आलोक त्रिपाठी, संजीव सिंह, सौरव सिंह, आदर्श विक्रम, निर्विकार गिरी, सौरव सिंह आदि मौजूद रहे।

इविवि के शिक्षक डॉ. विक्रम ने किया आंदोलन का समर्थन : इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विक्रम ने फीस वृद्धि के आंदोलन को अपना समर्थन दिया है। वह बृहस्पतिवार को छात्रसंघ भवन के सामने जारी अनशन में भी शामिल हुए। डॉ. विक्रम ने कहा कि फीस वृद्धि का मुद्दा कुलपति से जोड़कर न देखा जाए। कई देशों में शिक्षा मुफ्त दी जाती है तो भारत में क्यों नहीं। यहां शिक्षा का बाजारीकरण किया जा रहा है और विश्वविद्यालयों पर अपने संसाधन जुटाने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। यह गलत है और वह इसका विरोध करते हैं। इसके साथ ही प्रगतिशील पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील कुशवाहा ने भी फीस वृद्धि के खिलाफ जारी आंदोलन को अपना समर्थन दिया।

ट्रांसफार्मर के क्वाइल पर आकाशीय बिजली गिरने से दर्जनों घरों के उपकरण फूके

नैनी। क्षेत्र के मेवालाल बगिया पर देर रात आकाशीय बिजली गिरने से दर्जनों घरो का इनवर्टर, टीवी समेत अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण खराब हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार मेवालाल की बगिया पर लगे वाई फाई के टॉवर पर बिलजी गिरने के बाद पास लगे 400 केवीए ट्रांसफार्मर से में जा गिरी। जिससे ट्रांसफार्मर का क्वायल उड़ गया। काफी मशक्कत के बाद विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने फाल्ट बनाकर दोपहर को विद्युत आपूर्ति शुचारू कराई। आकाशीय बिलजी गिरने से शंकर ढाल के रहने वाले राजकुमार गुप्ता का इनवर्टर व टीवी, मेवालाल बगिया के रहने वाले शिवा मेडकिल स्टोर का इनवर्टर, जीतू चौरसिया का पंखा, झिलमिल कॉलोनी के रहने वाले दिनेश सोनी का इनवर्टर, आरती सोनी की एलईडी टीवी, राकेश गुप्ता के घर के इनवर्टर जल गया और रात भर लोगों के घर में लाइट धीमी तेज होती रही इसके कारण लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा।

नहाते वक्त अधेड़ की गंगा में डूबने से हुई मौत

अखंड भारत संदेश

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र में गुरुवार की दोपहर मछली मारने गया एक अधेड़ गंगा में डूब गया अधेड़ की डूबने की सूचना पर गोताखोरों के साथ पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद अधेड़ का शव बरामद किया। अधेड़ की मौत से उसके घर में कोहराम मचा हुआ है। शेरडीह गांव निवासी सुभाष भारतीय 50 पुत्र पंचू भारतीय मजदूर था। बताया जाता है कि वह अपनी मां की सेवा करने के लिए शादी भी नहीं किया था। गुरुवार को वह गांव के कुछ लोगों के साथ बदरा गांव के सामने गंगा में मछली मारने गया था उस दौरान वह नहाने लगा और गहरे पानी में चला गया। साथ में गए लोग जब तक कुछ कर पाते वह डूब गया। सूचना पर चौकी इंचार्ज जितेंद्र राजपूत और दीवान ज्योति बंधन गोताखोरों के साथ मौके पर पहुंचे घंटों खोज के बाद गोताखोर, एसडीआरएफ की टीम में सुभाष भारतीय के शव को निकाल पुलिस को सौंप दिया। ग्रामीणों ने बताया कि सुभाष तीन भाई थे जिसमें दो भाइयों की पहले ही मौत हो चुकी है। सुभाष की मौत से उसकी मां का रो रो कर बुरा हाल है।

कार की टक्कर में मां की मौत बेटी घायल

हनुमानगंज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के में बृहस्पतिवार की देर शाम कार की टक्कर से बाइक सवार मीना श्रीवास्तव (50) पत्नी भारत भूषण श्रीवास्तव की मौत हो गई जबकि बेटी शिखा (24) घायल हो गई। बाइक चालक मैके से फरार बताया जा रहा है। हंडिया थाना क्षेत्र की हरीपुर बींदा निवासी कांग्रेस की महिला मोर्चा ब्लॉक अध्यक्ष मीना श्रीवास्तव बेटी के साथ हनुमानगंज बाजार से दवा लेकर एक बाइक वाले से लिफ्ट लेकर सैदाबाद घर के लिए जा रही थी। सामने से आ रही एक कार ने बाइक में टक्कर हो गई जिससे मीना और उनकी बेटी शिखा सड़क पर गिर गई। कार सवार मीना को कुचलते हुए निकल गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन में घायलों को एसआरएन भेजा जहां चिकित्सकों ने मीना को मृत घोषित कर दिया। मीना के पति एक निजी स्कूल में शिक्षक हैं। उनके 4 पुत्र व दो पुत्रियां हैं।

पीपल के पेड़ पर मृत लटका मिला अधेड़, परिजनों में कोहराम

नैनी। औद्योगिक क्षेत्र के महुआ बगिया में एक अधेड़ बीती देर रात बाद पीपल की पेड़ से फांसी के फंदे पर लटकता मिलने से हड़कंप मच गया। जब तक परिजन कुछ कर पाते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जिससे परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। जानकारी के मुताबिक औद्योगिक क्षेत्र के महुआ बगिया (बेलवट) निवासी सुभाष चंद्र द्विवेदी (45) पुत्र रूप नारायण द्विवेदी चार भाइयों में सबसे बड़ा था। बताते हैं कि वह शराब पीने का आदि था और उसकी शादी तक नहीं हुई थी। इधर कुछ महीनों से वह डिप्रेशन में चल रहा था। बुधवार रात वह शराब के नशे में अपने घर पर पहुंचा और घर के बाहर ही चबूतरे के समीप पीपल के पेड़ की डाल में रस्सी की मदद से वह फांसी लगा लिया। जब पड़ोसियों ने देखा तो शोर मचाया, जब तक उसे इलाज के लिए ले जा पाते, मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

चोर ताला तोड़ चार लाख से अधिक की शराब उठा ले गए

झूंसी। स्थानीय थाना क्षेत्र में चोरो ने अंग्रजी शराब की दुकान का ताला तोड़ लाखो की शराब व नगदी चोर उठा लेगये। सुबह दुकान मालिक ने मामले की सूचना पुलिस को दी तो हड़कम्प मच गया। मामले की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है। बजहा गांव निवासी राम नगीना सिंह की अंग्रेजी शराब की दुकान आवास विकास कालोजी झूंसी में है। दुकान पर दारागंज का प्रदीप सोनकर सेल्समैन है। बुधवार की भोर में दुकान मालिक को पता चला की दुकान में चोरी हो गई है। उन्होंने मामले की सूचना पुलिस के साथ सेल्समैन को दी। मौके पर पहुचे सेल्समैन प्रदीप ने मिलान करने के बाद बताया कि चार लाख से अधिक की शराब लगभग 1800 सीसी के साथ गल्ले में रखा 32 हजार रुपये व सीसी टीवी का डीवीआर गायब है। मौके पर पहुची पुलिस ने आसपास लोगो से पूछताछ कर अगल बगल लगे सीसी टीवी को भी खगाला रही है।

खीरी पुलिस ने 3 आरोपियों के विरुद्ध की कार्रवाई, एक वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

रत्योरा। खीरी पुलिस ने एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जहां जेल भेज दिया, वही दो अभियुक्तों का शांति भंग की आशंका में चालान कर दिया। एक नफर वारंटी अभियुक्त रघुनाथ पुत्र लालचंद निवासी खपटिहा थाना खीरी को खपटिहा गांव से गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेज दिया। वही शांति भंग की आशंका में विकास चंद्र पुत्र हीरालाल मोती लाल पुत्र सुखई लाल निवासी दशौती थाना खीरी को शांति भंग की आशंका में 151, 107, 16 की कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया। जिन अभियुक्तों का शांति भंग में चालान किया गया उन अभियुक्तों का जमीनी विवाद चल रहा था। पुलिस को आशंका हुई कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो अशांति फैल सकती है। जिससे पुलिस ने दोनों पक्षों से एक एक लोगों का शांतिभंग की कार्रवाई करते हुए चालान कर दिया। उपरोक्त अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अनुराग वर्मा, कांस्टेबल सुखराम वर्मा, उपनिरीक्षक भप्पी सोनी, कांस्टेबल कृष्ण कृपाल सिंह शामिल रहे।

रोडवेज में चार लाख के डीजल का गबन, तीन के खिलाफ रिपोर्ट

प्रयागराज। परिवहन निगम के लीडर रोड डिपो के डीजल टैंक से करीब चार लाख का डीजल गायब हो गया। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ने डीजल पंप पर तैनात तीन क्लर्कों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। रोडवेज के लीडर रोड डिपो का 18 सितंबर को निरीक्षण किया गया था। अधिकारियों ने डीजल टैंक का भौतिक सत्यापन किया तो चार हजार तीन सौ उनचास लीटर डीजल की कमी पाई गई। गायब डीजल की कीमत तकरीबन तीन लाख 90 हजार 236 रुपये होता है इस बारे में ड्यूटी पर तैनात क्लर्क से पूछताछ की गई तो वह कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाया। रोडवेज के अधिकारियों ने आंतरिक जांच कराई। इसमें डीजल पंप पर तैनात क्लर्क राकेश कुमार निवासी चक लाल मोहम्मद नैनी, राज कुमार निवासी फुलवामऊ, फतेहपुर और विनोद कुमार त्रिपाठी निवासी इमली गांव कौशांबी की भूमिका संदिग्ध थी। इन्हीं तीनों क्लर्कों ने ही डीजल गायब कराया। लीडर रोड डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक आरएस वर्मा ने 20 सितंबर को तीन क्लर्कों के खिलाफ धारा 409 के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई।

कार्यकताओं ने की जल संरक्षण गोष्ठी

सहसों। विकास खण्ड सहसों के परिसर में सेवा सप्ताह पखवाड़ा के अंतर्गत जल ही जीवन एवं जल संरक्षण विषय पर एक संगोष्ठी भाजपा मंडल सहसों द्वारा गुरुवार को पण्डित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। गोष्ठी की शुरूआत कार्यकर्ताओं द्वारा वन्देमातरम् गीत से किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहसों ब्लॉक प्रमुख गीता सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुऐ कहा कि वर्षा जल संग्रहण के साथ साथ जो पीने का पानी हम व्यर्थ करते हैं उसे भी रोकना चाहिए ताकि भविष्य में पीने के पानी की समस्या ना होने पाए। मौके पर मौजूद खण्ड विकास अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि वर्षा जल को रोकने के लिए सरकार विभिन्न प्रकार की योजनाएं चला रही है जैसे खेतों पर मेड बंदी सहित सोक्ता गढा आदि माध्यम से प्रतिदिन जल संरक्षण किया जा सकता हैं। गोष्ठी की अध्यक्षता एवं आए हुए लोगों का स्वागत मण्डल अध्यक्ष अनिल कुमार सरोज ने किया एवं गोष्ठी का संचालन मंडल के महामंत्री पवन कुमार शुक्ला ने किया तथा गोष्ठी का समापन राजधर द्विवेदी ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित कर किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रमुख प्रतिनिधि शिवनारायण सिंह गप्पू , एडीओ पंचायत नरेंद्र कुमार दूबे, मंडल के उपाध्यक्ष डॉक्टर राजेंद्र वर्मा, नरेंद्र कुशवाहा, सन्तोष सिंह, के के चौरसिया, राजेश कुमार राज, महेश सिंह, लक्ष्मी कांत पांडे, रमेश पटेल, प्रसिद्ध नारायण पांडे, लवकुश बिंद, शिव शंकर दूबे, रामसुधार बिंद, मूलचंद पाल, अच्छे लाल गुप्ता, अनिल जयसवाल सहित आदि कार्यकर्ता व अन्य उपस्थित रहे।

बालक-बालिका स्पर्धा का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

मेजा। क्षेत्र के आंगनवाड़ी केंद्र तेंदुआ कला में बाल विकास परियोजना प्रभारी मीरा देवी पटेल की उपस्थित में स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर गांव के प्रधान गुलाब कली उपस्थित रही। बता दें आंगनवाड़ी केंद्र पर स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा में 0 से 6 वर्ष तक के बालक-बालिका शामिल रहे। सभी बच्चों का वजन किया गया और लंबाई मापी गई। इस दौरान उपस्थित रहे बच्चों की माताओं को कुपोषण से संबंधित जानकारी दी गई। कुपोषित बच्चों की देखभाल के बारे में भी बताया गया। मौके पर उपस्थित रहीं (बाल विकास परियोजना) प्रभारी मीरा देवी ने बताया कि यह स्पर्धा बच्चों के स्वस्थ रहने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए आयोजित है। माताओं को बच्चों के खानपान सहित देखभाल की जानकारी दी गई। स्पर्धा में टॉप तीन कार्तिक, हिमांशु तथा पायल चोपन जी का रजिस्टर में अंकित किया गया। माताओं में उपस्थित रहीं छाया देवी, ज्योति आदि ने बताया कि स्पर्धा में कुपोषित बच्चों की देखभाल और बचाव के बारे में भी विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। माताओं ने कार्यक्रम को बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति बेहतर बताया। उक्त मौके पर मुख्य सेविका तारा रानी, मुख्य सेविका निर्मला देवी, प्रधान पति राजेश पाल, आंगनबाड़ी कार्यकत्री विकास कुमारी, सरिता जायसवाल, सुनीता देवी, उषा कुशवाहा, सहायिका सुमित्रा, सुभद्रा आदि उपस्थित रही।

कार्यक्रम में मौजूद परियोजना प्रभारी मीरा देवी

बाइक की टक्कर के बाद युवक को पीटा

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के मेवालाल की बगिया तिराहे के पास बुधवार देर रात दो बाइक के आपस मे टक्कर हो गई। जिसके बाद एक पक्ष के लगभग पांच लोगों बाइक सवार युवक को पीटना शुरू कर दिया। शोर मचाने पर स्थानीय लोगों ने दौड़ाया तो मारपीट करने वाले पांचों युवक अपनी बाइक छोड़कर फरार हो गए। यमुनानगर मोहल्ले में रहने वाला ओम केसरवानी बुधवार देर रात किसी काम से मेवालाल की बगिया की ओर अपनी बाइक से गया था। वह जैसै ही घर लौट रहा था उसकी सामने से आ रही बाइक से टक्कर हो गई। ओम का आरोप है कि जिससे टक्कर लगी वह दो बाइक पर पांच लोग थे। वह बाइक से उतरे और बातचीत करते करते उसे घेरकर मारने पीटने लगे। स्थानीय लोगों ने मारपीट कर रहे लोगो को दौड़ा लिया।तो वे अपनी दोनों बाइक छोड़कर भाग निकले। पुलिस दोनों बाइक को अपने साथ कोतवाली उठा ले गई।

भाजपा पदाधिकारियों ने डोर-टू-डोर जाकर लोगो को जल संरक्षण के दिए मंत्र

मेजा रोड। मेजा ब्लाक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन से शुरू हुए सेवा पखवाड़ा के छठे दिन गुरुवार को जल ही जीवन के मंत्र को लोगों तक पहुंचाने का काम किया गया। इस दौरान जल को संचय करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें भाजपा के पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में लोगो को जल संचयन और जल संरक्षण के उपाय और फायदों पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान भाजपा ने जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों को डोर-टू-डोर जाकर जल संरक्षण के तरीकों को बातचीत कर लोगो से जल संचयन के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ब्लाक प्रमुख मेजा प्रतिनिधि गंगा प्रसाद मिश्र ने बतौर मुख्य अतिथि दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम के संयोजक शिवदत्त पटेल और संचालन प्रधान गडेवरा अनिल शुक्ला ने किया। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी मेजा सईद अहमद, मंडल अध्यक्ष कोहड़ार गोविंद मिश्र, मंडल अध्यक्ष मेजा कामेश्वर पटेल, नमामि गंगे संयोजक अमरेश तिवारी, मंडल मंत्री मेजा संजय तिवारी, आशुतोष मिश्र, पंकज राव सहित ब्लाक के समस्त अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सूचना

मेरा प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्व विद्यालय प्रयागराज बीए तृतीय वर्ष सन 2018 - 19 अनुक्रमांक 1711720011350 का अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

कुमारी रंजना सिंह पुत्री संतोष कुमार सिंह नदगहना पोस्ट नदौली लालगंज मीरजापुर।

डीएम एवं एसएसपी की अध्यक्षता में दुर्गा पूजा की बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में दुर्गापूजा मेला एवं मूर्ति विसर्जन के सकुशल आयोजन की तैयारियों के सम्बंध में गुरूवार को संगम सभागार में बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारियों को निर्देशित किया कि संयुक्त रूप से भ्रमण करके सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करा ले तथा संवेदनशील स्थानों का भी अवश्य भ्रमण कर लें। उन्होंने पूर्व में निर्धारित रूट के अनुसार ही जुलूस एवं प्रतिमाओं का विसर्जन कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को पर्याप्त मात्रा में एम्बुलेंस एवं डॉक्टरों की टीम की उपलब्धता कराये जाने के लिए कहा है। विसर्जन स्थलों को चेक लिस्ट के अनुसार शहरी क्षेत्रों में नगर निगम तथा ग्रामीण क्षेत्रों में डीपीआरओ को देखने के लिए कहा है। उन्होंने प्रत्येक पण्डाल पर राजस्व कर्मी के साथ-साथ पुलिस कर्मी की ड्यूटी लगाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने बिजली विभाग को निर्देशित किया कि लाइट, बिजली आदि के तारों को अवश्य देख ले तथा उसे दुरूस्त करा ले और रूट वाइज मूर्ति विसर्जन या जुलूस निकालने है, उसका सेफ्टी प्रमाणपत्र अवश्य दे। बिजली, पानी और साफ-सफाई में कहीं पर भी कमी नहीं आनी चाहिए। सड़कों की स्थिति बरसात से जहां पर भी खराब हुई है, उसका मरम्मत का कार्य शुरू कर दें। विद्युत विभाग के अधिकारियों को ढीले व जर्जर तारों को ठीक कराये जाने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि दुर्गापूजा के समय विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से रहे। उन्होंने सभी सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि भ्रमण कर ले तथा जो भी मेला रूटों में कमियां है, उसे तत्काल ठीक करा लें। शहरी

एसडीएम/क्षेत्राधिकारी संयुक्त रूप से क्षेत्रों का भ्रमण कर आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित करें, बीट स्तर पर पुलिस की व्यवस्था पर्याप्त रहे : एसएसपी

दुर्गा पूजा कमेटी के पदाधिकारियों संघ बैठक करते अधिकारी

क्षेत्रों में नगर निगम एवं ग्रामीण क्षेत्रों में डी0पी0आर0ओ0 को साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए है। फूड अधिकारी को निर्देशित किया है कि जो उचित मूल्य है, उसी पर सामनों की बिक्री की जाये। उन्होंने वालिंटियर्स की नियुक्ति प्रत्येक स्थानों पर तथा जहां पर भी बड़े-बड़े टैजफिक की व्यवस्था/रूट डायवर्जन पहले से ही सुनिश्चित करा ली जाये। बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, धार्मिक स्थलों पर भी सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित रहे। विसर्जन के समय ड्रोन कैमरों की भी व्यवस्था की जायेगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेश कुमार पाण्डेय ने कहा कि कोई भी गैर परम्परागत कार्य नहीं होगा। फोर्स की पर्याप्त व्यवस्था रहेगी। यातायात की व्यवस्था, डायवर्जन तथा पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित रहे। अपराध निरोधक/सिविल डिफेंस तथा जो भी फोर्स से से सहयोगी विभाग है, उनकी शिफ्ट वाइस ड्यूटी लगायी जाये। फोर्स की ब्रीफिंग सही ढंग से कराये जाने का निर्देश दिया है। आवागमन के मार्ग में कोई अवरोध न उत्पन्न हो तथा जिनकी भी ड्यूटी लगायी जाये, वे अपना पहचान पत्र अवश्य रखें। शहरी क्षेत्र में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन थाना सरायइनायत, अन्दावा में महेन्द्र प्रताप डिग्री कालेज के सामने स्थित बड़ा तालाब पर किया जायेगा। जिलाधिकारी ने विसर्जन के लिए व्यवस्था हेतु सभी सम्बंधित विभागों के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की है। अधिशाषी अभियंता, बाढ़ कार्य खण्ड को मूर्ति के विसर्जन हेतु तालाब की खुदायी कराये जाने के साथ ही तालाब की मरम्मत व जेटी आदि कार्य, पुलिस विभाग को तालाब पर नाव व गोताखोरों की व्यवस्था, नगर निगम को तालाब के आस-पास सफाई, चूने आदि का छिड़काव, फिसलन से बचाव हेतु रैम्प तथा प्रतिमाओं को हटाये जाने तथा पर्याप्त संख्या में मोबाइल टॉयलेट की व्यवस्था, यातायात विभाग को रूट डायवर्जन, यातायात की व्यवस्था, वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था के लिए पुलिस फोर्स की व्यवस्था, विद्युत विभाग को विसर्जन स्थल पर प्रकाश व जनरेटर की व्यवस्था, मुख्य चिकित्साधिकारी को विसर्जन स्थल पर एम्बुलेंस, चिकित्सकों, दवाईयां व अन्य आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था, जलकल एवं जल निगम को विसर्जन स्थल पर पीने के शुद्ध पानी की व्यवस्था कराये जाने के निर्देश दिए है। इस अवसर पर रामलीला एवं दुर्गापूजा कमेटी के पदाधिकारीगणों सहित सभी सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत कौवा, वि. ख. करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

वित्तीय वर्ष 2022–23 मे ग्राम कौवा विकास खण्ड करछना में कराये जाने वाले विकास कार्यो में मनरेगा, राज्य वित्त/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति एवं कार्य की मयमजदूरी सहित आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 23–09–2022 से दिनांक 07–10–2022 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्ते किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत कौवा में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 08–10–2022 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला 08–10–2022 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्ते लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	कार्य की अवधि
1.	विकास के घर से हरीश के घर तक पक्की नाली निर्माण कार्य	1.17 लाख	2 माह
2.	विकास के घर से ननकू के घर तक इंटरलाकिंग कार्य	2.80 लाख	2 माह

रेखा कुमारी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत कौवा
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

पत्रांकः मेमो/ग्राम पं. वि. अ./टेण्डर/ कोटेशन/ 2022-23/ दिनांक

कमल सिंह
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत कौवा
वि0 ख0 करछना प्रयागराज

श्री रामलीला मंचन में इस बार होगी आधी आबादी की भी भागीदारी

डांडिया नित्य कर राम बारात की बढ़ाएंगी शोभा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। श्री रामलीला समिति की एक बैठक महिला भक्तों की अध्यक्ष के कार्यालय पर श्रीराम चैराहा पर हुई। रामलीला समिति में अबकी बार लीलाओं को और भव्य बनाने के लिए महिला मंडल का भी गठन किया गया। महिलाओं को बड़े आयोजन में पात्रों को सजाने व इस बार और भव्य कार्यक्रम हो इसके लिए शिव बारात के स्वागत, आरती करेगी तथा राम बारात में महिलाएं गोपाल मंदिर से शोभायात्रा के साथ डांडिया नृत्य करते हुए भगवान राम जी की बारात में आगे आगे सहभागिता करेंगी।

बारात भ्रमण कर वापस आने पर सभी महिला टीम जनकपुर की तरफ से मां सीता के साथ मंगल गीत गाते हुए जयमाल स्टेज पर चैक घंटाघर राम-सीता का विवाह संपन्न कराने में अपना योगदान देंगी। समिति के संरक्षक रोशनलाल उमरवैश्य, श्याम शंकर सिंह, अध्यक्ष संजय खंडेलवाल ने बताया कि इस वर्ष आयोजन को भव्य बनाने के लिए महिला टीम का गठन किया गया है।

श्रीरामलीला समिति की महिला पदाधिकारीगण।

सभी महिला भक्त एक ही ड्रेस कोड में रहेंगी और राम बारात में डांडिया नित्य करते हुए भगवान श्रीराम की बारात की शोभा बढ़ाएंगी। इस अवसर पर संयोजक दिनेश सिंह दिन्नू ने सभी मातृ शक्तियों को कार्यक्रम में भव्यता लाने के लिए और भी प्रयत्न करने की अपील की। इस अवसर पर अर्चना खंडेलवाल, वीना केसरवानी, सुधा अग्रवाल, रेखा उमरवैश्य, सुमन केसरवानी, विनीता केसरवानी, मेघा खंडेलवाल, ज्योति खंडेलवाल, रोशनी सिंह, लक्ष्मी सिंह, स्मिता खंडेलवाल, शकुंतला खंडेलवाल, प्रीति केसरवानी, मंत्री विपिन गुप्ता, मनीष गुप्ता, शिवम, श्याम शंकर सिंह, बंटी नेता, धर्मेंद्र चैरसिया, विवेक कुमार, रोहित, राज, नीरज आदि बैठक में शामिल रहे।

छात्राओं को मिशन शक्ति के बारे में दी गई जानकारी

प्रतापगढ़। बेटियों की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए जिला स्तर पर गठित एंटी रोमियो की टीम ने जीजीआईसी प्रतापगढ़ का भ्रमण किया और प्रभारी उमानंद पांडे और अंजलि द्विवेदी ने डॉ मोहम्मद अनीश के नेतृत्व एवं सहयोग से छात्राओं को संबोधित करते हुए इस मिशन शक्ति के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। उन्हें महत्वपूर्ण नंबरों को नोट कराया जैसे 1090 महिला एक लाइन महिला हेल्पलाइन 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन 112 पुलिस सहायता आदि के बारे में बताया और छात्राओं को आश्वस्त किया कि पुलिस उनके सहायता के लिए सदैव तत्पर है आप पुलिस का सहयोग करें उन्हें सूचना दें और तत्काल कार्यवाही करके दोषियों को सजा दी जाएगी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य गरिमा श्रीवास्तव ने आई हुई टीम का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर गीता यादव उप प्रधानाचार्य, उमानंद पांडे सब इंस्पेक्टर, अंजलि द्विवेदी अभिषेक एवं बाल किशन पुलिस विभाग से उपस्थित रहे।

सभी दुखों की दवा है सत्संगः स्वामी विवेक सागर

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। यदि हम सत्संग में आए है तो सत्संग में ही ध्यान रखना चाहिए। इसी से फायदा होता है। मनुष्य को ध्यान एकाग्र होकर सत्संग सुनना चाहिए तथा सुनी गई हर अच्छी बातों को जीवन में उतारना चाहिए, जिससे जीवन संवर जाए।

यह बात दिल्ली की विश्व प्रसिद्ध मंदिर अक्षरधाम मंदिर के सद्गुरु संत स्वामी विवेक सागर ने नगर के करेंटी रोड पर आयोजित सत्संग को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सत्संग एक ऐसी दवा है, जिससे मानव के सभी दुख दूर हो जाते है, इसलिए सभी को सत्संग में अवश्य जाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में समाजसेवी राम विशाल ने स्वामी नारायण भगवान की आरती उतारी व प्रसाद वितरित किया। संचालन डा. शिव प्रसाद ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ समाज सेवी श्यामलाल विश्वकर्मा, विनोद गुरुजी, जुगनू विश्वकर्मा, शिक्षक सुनील दत्त, कुलदीप कुमार, राहुल विश्वकर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, अनिकेत, मुकेश पटेल आदि लोग मौजूद रहे।

करेंटी रोड पर आयोजित सत्संग में मौजूद स्वामी विवेक सागर।

इंटरसिटी समेत सात ट्रेनें कैंसिल, दस का रूट बदला

प्रतापगढ़ में नॉन इंटरलॉकिंग के चलते बंद हुआ गाड़ियों का संचालन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ रेलवे स्टेशन यार्ड में नॉन इंटरलाकिंग कार्य (रिमॉडलिंग) के चलते 22 सितंबर से 3 अक्टूबर तक ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा, जिससे कानपुर इंटरसिटी समेत सात ट्रेनों को रद्द किया गया है। इसके अलावा करीब दस ट्रेनों के रूट में परिवर्तन किया गया है। बारह दिनों तक यही स्थिति रहेगी। ट्रेन संचालन प्रभावित होने से यात्रियों को काफी मुश्किलें आएगी। उन्हें ट्रेन पकड़ने के लिए दूसरे स्टेशनों का चक्कर लगाने पड़ेंगे। इस बारे में कार्यवाहक एसएस शमीम ने बताया कि जिन गाड़ियों का रूट बदला है। वे प्रतापगढ़ नहीं आएंगी। यात्रियों को दूसरे स्टेशन जाकर पकड़नी होगी। एलआई अनिल शुक्ला ने बताया कि 22 से 29 सितम्बर तक वीएनआई और 30 से 3 अक्तूबर तक एनआई वर्क होगा। रिमॉडलिंग का असर ट्रेनों के संचालन पर पड़ेगा। स्पीड बढ़ जायेगी। प्लेटफार्म की संख्या बढ़ने से सुविधा होगी। रद्द होने वाली गाड़ियों में बनारस लखनऊ इंटरसिटी, लखनऊ बनारस इंटरसिटी, प्रतापगढ़ कानपुर इंटरसिटी, प्रतापगढ़ बनारस स्पेशल पैसेंजर, वीपी पैसेंजर, प्रयागराज संगम अयोध्या कैंट और लखनऊ प्रयागराज संगम पीआरएल पैसेंजर 22 सितंबर से 3 अक्टूबर तक रद्द रहेंगी।

नाबालिक के साथ दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास

न्यायालय द्वारा मात्र 10 दिनों में सुनाया फैसला

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश पाक्सो अधिनियम पंकज कुमार श्रीवास्तव ने भूपेंद्र सिंह उर्फ भोनू निवासी किरांव थाना मऊआइमा जनपद प्रयागराज को नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के आरोप में दोषी पाते हुए आजीवन कारावास (जो अभियुक्त के शेष प्राकृतिक जीवन कॉल तक के लिए कारावास) और बीस हजार अर्थदंड से दंडित किया।

अर्थदंड की राशि पीडिता को उसके चिकित्सीय एवं मानसिक आघात की पूर्ति तथा उसके पुनर्वास हेतु प्रदान की जाएगी। न्यायालय द्वारा लोक मामले में 12 सितंबर 2022 को आरोपित किया गया तथा अभियोजन द्वारा 13 से 16 सितम्बर 2022 तक साक्षी गणों को साक्ष्य हेतु प्रस्तुत किया गया। 20 सितंबर 2022 को बहस सुनी गई तथा 21 सितंबर 2022 को न्यायालय द्वारा अभियुक्त को दोष सिद्ध किया गया। आज 22 सितंबर 2022 को न्यायालय द्वारा अभियुक्त को सजा के बिंदु पर सुनवाई करते हुए आजीवन कारावास जो कि उसकी शेष प्राकृतिक जीवन तक के लियेरहेगा तथा बीस हजार रुपया अर्थदंड से दंडित किया। इस प्रकार न्यायालय ने मात्र 10 दिनों में उपरोक्त मामले का निस्तारण किया। वादिनी मुकदमा के अनुसार वह 10 अगस्त 2022 को अपने मायके अंतर्गत थाना कोतवाली नगर आई थी। 12 अगस्त 2022 को समय साढे.सात बजे शाम उसकी 6 वर्षीय पुत्री उसके भाई की पुत्री के साथ दावत खाने गई थी दावत खाकर वापस आते समय रास्ते में उसकी पुत्री पीडिता को एक आदमी खेत में बहला-फुसलाकर ले गया। जब मेरी भतीजी रोते हुए घर आई और बताया तब हम लोग उसको खोजना शुरू किया तब पीड़िता को उक्त आदमी खेत में लेकर लेटा था, मेरी पुत्री पीड़िता रो रही थी। उसने बताया की इस व्यक्ति ने उसके साथ गलत काम किया। इस बीच गांव के कुछ लोग एकत्र हो गए और उस व्यक्ति से पूछा तो उसने अपना नाम भूपेंद्र सिंह निवासी किरांव थाना मऊआइमा बताया। राज्य की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक देवेश चंद्र त्रिपाठी व अशोक कुमार तिवारी ने की।

जिला मजिस्ट्रेट ने तीन गुण्डों को किया जिला बदर

प्रतापगढ़। जिले में जिन व्यक्तियों के आस-पास के क्षेत्रों में आतंक व भय व्याप्त है और उनके विरूद्ध कोई भी व्यक्ति कुछ बोलने अथवा साक्ष्य देने का साहस नहीं करता है, ऐसे तीन व्यक्तियों को जिला मजिस्ट्रेज्ट डा0 नितिन बंसल ने गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा-3(3) के तहत जनपद की सीमा से 06 माह के लिये निष्कासित कर दिया है। उन्होने थाना फतनपुर ग्राम स्वरूपुर नौड़ेरा के तीन व्यक्तियों क्रमशः दिनेश पुत्र श्रीनाथ प्रजापति, रमेश सरोज पुत्र कैलाश नाथ एवं प्रदुम्न जायसवाल पुत्र कन्हैयालाल को जनपद की सीमा से छह माह के लिये निष्कासित कर दिया है।

पति की पिटाई से परेशान पत्नी ने थाने में की शिकायत

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। पति के उत्पीड़न से परेशान होकर महिला कंधई थाने पहुंच गई और अपने पति के विरुद्ध शिकायती पत्र देकर इंसाफ की गुहार लगाई है। कंधई थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव की रहने वाली सब शबरुल निशा ने बताया कि बुधवार को उसका पति उसे जमकर मारा पीटा जिससे उसके हाथ की हड्डी टूट गई। कुछ लोगों के बीच बचाव करने से उसकी जान बच सकी। उसने आरोप यह भी लगाया कि उसके पड़ोसी शराब पिलाकर के मारने पीटने के लिए उकसाते हैं। पीड़ित महिला ने इस संबंध में कंधई थाने में शिकायती पत्र देकर आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही की मांग की है।

आयकर देकर राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अपनी भागीदारी करें सुनिश्चितः प्राचार्य

पीबीपीजी कालेज में हुई प्रताप बहादुर स्मृति व्याख्यानमाला

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ सिटी के वाणिज्य संकाय में प्रताप बहादुर स्मृति व्याख्यानमाला 2022-23 के अंतर्गत एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर अमित कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें विशिष्ट अतिथि वक्ता के रूप में प्रशांत अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि प्रत्यक्ष करों के नियमों में लोच शीलता होने के कारण बड़े बड़े व्यापारियों द्वारा आयकर में बचाव कर लिया जाता है।

उन्होंने कहा कि कभी-कभी तो वह शून्य कर भी देते हैं। प्रत्यक्ष कर के नियमों में दृढ़ता लाना चाहिए ताकि कर वंचन से बचाव किया जा सके। साथ ही उन्होंने प्रत्यक्ष कर में पांच प्रमुख पदों को आवश्यक बताते हुए कहा कि वेतन से आय, मकान संपत्ति से आय, व्यवसाय तथा पैसे से आय, पूंजी से आय और अन्य स्त्रोतों से आय आज इन मदों से सरकार को सीधे राजस्व आय में वृद्धि हो रही है।

अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर अमित कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आयकर एक अनिवार्य अंशदान है जो प्रत्येक व्यक्ति को देना चाहिए यह पद्धति प्राचीन काल से चली आ रही है जिसमें लगान कर भी जमीदारों द्वारा दिया जाता रहा है। उन्होंने अपने प्रेरणादायक उदबोधन में कहा कि हम आयकर देकर राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अपनी अमूल्य भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

कार्यक्रम की प्रभारी डॉ० निहारिका श्रीवास्तव द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। आभार उद्बोधन करते हुए प्रोफेसर ब्रह्मानंद प्रताप सिंह ने कहा कि प्रताप बहादुर स्मृति व्याख्यानमाला इस वर्ष से प्राचार्य द्वारा प्रस्तावित योजना है जो वर्ष भर विभिन्न पाठ्यक्रमों में संगोष्ठी के माध्यम से बालकों के सर्वांगीण विकास हेतु सतत प्रयास है। इस अवसर पर रश्मि सिंह, उपेंद्र कुमार सिंह, सुनील कश्यप, डॉ धर्मेंद्र प्रताप सिंह, संतोष सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

अतिथि को सम्मानित करते प्राचार्य व अन्य।

फर्जी जन्मतिथि पर अध्यापक की नौकरी हथियाने की शिकायत

प्रतापगढ़। जिले के बिहार ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय अतरसुई में नंद किशोर अध्यापक पुत्र राम किशोर ग्राम व पोस्ट अइमा जाटूपुर, थाना बाघराय अध्यापक पद पर तैनात हैं। इनके विरुद्ध गांव के श्याम बाबू मिश्र, वृंदावन मिश्र, षिवराम मिश्र आदि ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर षिकायत भेजी है कि नंद किशोर ने अपनी जन्मतिथि में हेराफेरी कर अध्यापक की नौकरी हासिल की है। इन लोगों ने मामले की जांच कराने के लिये जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिलाधिकारी को भी पत्र भेजा है। ग्रामीणों का कहना है कि जनसूचनाधिकार के माध्यम से उसकी वास्तविक जन्मतिथि भी भेजी गई है जबकि वह फर्जी जन्मतिथि पर नौकरी कर रहा है।

व्यापारी से 30 लाख की मांगी गई रंगदारी

प्रतापगढ़। रानीगंज कोतवाली इलाके में व्यापारी से फोन पर रंगदारी मांगी गई। रंगदारी न देने पर हत्या की धमकी भी दी गई। रानीगंज क्षेत्र के मखंचू कबाड़ी को धमकी भरा फोन आया और फोन पर 30 लाख की रंगदारी न देने पर हत्या की धमकी दी गई। व्यापारी की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी हे। रंगदारी को लेकर व्यापारी परिवार सहमा हुआ है। बता दें कि जून माह में रानीगंज कोतवाली से चंद दूरी पर बेखौफ अपराधियों ने रंगदारी न देने पर व्यापारी अशोक मौर्य को गोली मारी थी।

राष्ट्रीय पोषण अवार्ड से सम्मानित हुए कुंडा के अरुण शुक्ला

परियावां, प्रतापगढ़। कुंडा तहसील के बानेमऊ पूरे महावीर निवासी अरुण शुक्ला को दिल्ली स्थित इंडिया इंटर नेशनल सेंटर के सभागार में पोषण एव प्राकृतिक स्वास्थ्य विज्ञान संघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पोषण अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे दिल्ली मेडिकल काउंसिल बोर्ड के चेयरमैन गिरीश त्यागी व संघ की अध्यक्ष निक्की डबास द्वारा अरुण को यह सम्मान दिया गया। अरुण को दिल्ली में पत्रकारिता के माध्यम से पोषण अभियान माह के अभियान से लोगों को जागरूक करने हेतु यह सम्मान दिया गया। अरुण को इससे पहले भी कई सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

दीनदयाल जयंती पर भाजपा कार्यकर्ता लेंगे संकल्प

जिला मंत्री ने 2577 बूथों के लिए उपलब्ध कराएं दीनदयाल के चित्र

जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र को दीनदयाल का चित्र देते जिला मंत्री।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारतीय जनता पार्टी के सभी 2577 बूथों पर 25 सितम्बर को संगठन को सर्वव्यापी एवं सर्वस्पर्शी बनाने के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर कार्यकर्ता संकल्प लेंगे। सभी बूथों पर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आज जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्रा को जिला मंत्री रामजी मिश्रा ने सभी बूथों के लिए 2577 पंडित दीनदयाल उपाध्याय का चित्र उपलब्ध कराया।रामजी मिश्रा ने बताया कि चित्र का वितरण 23 सितंबर तक सभी बूथों पर कर दिया जाएगा, जिन बूथों पर चित्र अभी तक प्राप्त नहीं हुए हैं अपने मंडल अध्यक्ष से संपर्क करके चित्र प्राप्त कर सकते हैं। हमारे प्रेरणा के केंद्र पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर प्रत्येक बूथ पर कार्यक्रम करके पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व पर चर्चा तथा एक रचनात्मक कार्य आयोजित करना है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की विचारधारा के आधार पर पार्टी को सर्वस्पर्शी एवं सर्वव्यापी बनाने का संकल्प हम सभी कार्यकर्ता को लेना है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सभी बूथों पर मन की बात सुनने का आयोजन करना है।

हादीहाल में कैच द रेन संगोष्ठी का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत तुलसीसदन (हादीहाल) सभागार में कैच द रेन (जल शक्ति अभियान) पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ भाजपा जिलाध्यक्ष हरिओम मिश्र द्वारा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। राजकीय बालिका इण्टर कालेज की छात्राओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री के जन्म दिवस पर प्रारम्भ हुये सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत कैच द रेन कार्यक्रम के सम्बन्ध में कहा कि इस अभियान का मुख्य बिन्दु है कि बारिश के पानी का संरक्षण जहां भी सम्भव हो, जैसा भी सम्भव हो किया जाना चाहिये, यह आवश्यक नही है कि जल संरक्षण का कार्य कोई प्रोजेक्ट बनाकर ही किया जाय। कार्यक्रम में डा0 पियूषकान्त शर्मा एमडीपीजी कालेज द्वारा जल संरक्षण हेतु भारत में ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर किये गये प्रयासों का उल्लेख किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं छात्राएं।

किसानों व छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। तुलसीसदन (हादीहाल) सभागार में आज छठें दिन प्रधानमंत्री जी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर आधारित लगायी गयी कहानी भारत माँ के सच्चे सपूत की चित्र प्रदर्शनी तथा केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण नीतियों, निर्णय, उपलब्धियों एवं जन कल्याणकारी योजनाओं विषयक प्रदर्शनी का अवलोकन किसानों, छात्र-छात्राओं, ग्रामीणों एवं जन प्रतिनिधियों द्वारा किया गया। किसानों, ग्रामीणों सहित जनसामान्य ने माननीय प्रधानमंत्री जी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन कर काफी प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि प्रदर्शनी के माध्यम से प्रधानमंत्री जी के जीवन संघर्षो तथा केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी उन्हें प्राप्त हुई।

दलित पर जानलेवा हमला, तीन नामजद व पांच अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। दलित पर जानलेवा हमले को लेकर सीओ की फटकार पर कोतवाली पुलिस ने बुधवार की शाम तीन नामजद तथा चार पांच अज्ञात आरोपियो के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं मे केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के गनेशपुर निवासी मोतीलाल गौतम की पत्नी सुमिता गौतम ने सीओ को दी गई तहरीर मे कहा है कि उन्नींस सितंबर को उसके तेरहवीं का कार्यक्रम था। कार्यक्रम के बाद उसका पुत्र दीपक कुमार गौतम तेरहवीं मे आये कलेश्वरदास व झल्लरदास को छोडने जा रहा था। गांव के इण्डियन गैस माल गोदाम के सामने महेशगंज थाना के वासुदेव का पुरवा पूरे गजई निवासी मोनू तिवारी पुत्र पप्पू तिवारी तथा लालगंज कोतवाली के सोनार का पुरवा निवासी अर्पित पाण्डेय पुत्र राजकुमार तथा बृजेश मिश्र के हर्षित मिश्र ने रंजिशन उसे घेरकर हॉकी तथा कटार से लैस होकर मारापीटा। आरोपियो ने धारदार हथियार से पीडिता के पुत्र पर हमला कर दिया। बीचबचाव करने पर कलेश्वर तथा झल्लर को भी आरोपियो ने हाकी से मारपीट कर चुटहिल कर दिया। शोर मचाने पर आरोपी घायलों को जातिसूचक गालियां देते धमकाने लगे। जानलेवा हमले मे दीपक को गंभीर चोटें आ गयीं। पीडिता ने सीओ से आपबीती सुनाई। सीओ रामसूरत सोनकर की फटकार पर पुलिस ने बुधवार की शाम आरोपी मोनू समेत तीन नामजद तथा चार से पांच अज्ञात के खिलाफ हत्या के प्रयास, बलवा, एससीएसटी, मारपीट व गालीगलौज का केस दर्ज किया है।

औचक निरीक्षण में खामियों पर सीडीओ का चढ़ा पारा, दी चेतावनी

लालगंज ब्लाक की तीन ग्राम पंचायतों व परिसर में विकास योजनाओं की खंगाली हकीकत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। सीडीओ ने गुरूवार को स्थानीय लालगंज ब्लाक मुख्यालय तथा ब्लाक के तीन ग्राम पंचायतों मे विभिन्न कार्यो का औचक निरीक्षण किया। ब्लाक परिसर में कूडें का ढेर देख सीडीओ नाराज दिखी। वहीं तारापुर प्राथमिक विद्यालय में एमडीएम में गुणवत्ता मे कमी देख भी सीडीओ का पारा चढ़ा दिखा। औचक निरीक्षण मे उन्होनें पहाड़पुर व रंगौली मे भी विकास योजनाओं का जायजा लिया। जिले की सीडीओ ईशा प्रिया लालगंज ब्लाक के पहाडपुर गांव पहुंची। यहां उन्होनें गो-शाला का निरीक्षण किया। गोशाला के प्रबन्धन को देख सीडीओ संतुष्ट नजर आयी। गोशाला तक संपर्क मार्ग बनाए जाने के लिए उन्होनें क्षेत्र पंचायत निधि से निर्माण के आदेश दिये। तारापुर व रंगौली प्राथमिक विद्यालय में निमार्णाधीन बाउण्ड्री वाल का भी सीडीओ ने निरीक्षण किया। निर्माण कार्य में पारदर्शिता व गुणवत्ता को लेकर सीडीओ मातहतो को नसीहत भी देती दिखी। तारापुर प्राथमिक विद्यालय में एमडीएम के भोजन में गुणवत्ता में सीडीओ को खामी नजर आयी। इस पर उन्होनें नाराजगी के साथ प्रभारी प्रधानाध्यापिका उर्मिला को चेतावनी दी। इसके बाद सीडीओ अचानक ब्लाक मुख्यालय आ पहुंची। ब्लाक परिसर मे कूड़े का ढेर देख सीडीओ का पारा चढ़ आया। बीडीओ कार्यालय की दीवार के पास पान की पीकें तथा टूटी फूटी पाइपें पडी देख भी सीडीओ नाराज हुई। हालांकि बीडीओ ने बताया कि परिसर मे निर्माण कार्य जारी रहने के कारण कुछ सामान रखे गये है। सीडीओ ने कार्यालय में ग्रामीण विकास से जुडी पत्रावलियों का भी निरीक्षण किया। एडीओ पंचायत आद्या प्रसाद दुबे ने उन्हें मनरेगा आदि से निर्माण कार्यो को लेकर अभिलेखों से जुडी वांछित जानकारियां दी।

खबर संक्षेप

औचक निरीक्षण में नेवादा विकासखंड के अधिकारी रात्रि निवास में मिले गायब

वेतन रोकने का सीडीओ ने दिया निर्देश

कौशांबी। मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर जिला विकास अधिकारी विजय कुमार ने बुधवार को नेवादा विकासखंड क्षेत्र के अधिकारियों के रात्रि निवास का औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान सयुक्त खंड विकास अधिकारी बिमल कुमार पाण्डेय निवासरत नहीं पाए गए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ ललित सिंह भी रात्रि निवास में निवासरत नहीं पाए गए बाल विकास परियोजना अधिकारी शिवकुमार मिश्रा पशु चिकित्सा अधिकारी प्रदीप कुमार खंड शिक्षा अधिकारी नीरज कुमार उमराव भी रात्रि निवास में निवासरत नहीं पाए गए हैं जिला विकास अधिकारी ने रात्रि निवास के औचक निरीक्षण करने के बाद निरीक्षण रिपोर्ट मुख्य विकास अधिकारी को भेज दिया है रिपोर्ट मिलने के बाद रात्रिकालीन अनुपस्थिति अधिकारियों का वेतन रोकने का निर्देश मुख्य विकास अधिकारी ने दिया है।

बिहार के व्यापारी की कौशाम्बी में कार हादसे में हुई मौत

सैनी कोतवाली के गुलामीपुर हाइबे के डिवाइडर से टकराकर हादसे का शिकार हुई कार

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। बिहार प्रदेश के व्यापारी की कार हादसे में मौत हो गई डिवाइडर से टकराकर व्यापारी की कार देर रात हादसे का शिकार हो गई,हादसे की सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने घायल अवस्था में जिला अस्पताल भेजा जहा डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया घटना सैनी कोतवाली क्षेत्र के गुलामीपुर नेशनल हाइवे की हैघटनाक्रम के मुताबिक ग्राम बैसपुरा,पोस्ट बसही, जिला रोहतास, बिहार प्रदेश के ब्यापारी राजेश दुबे पुत्र दिनेश्वर दुबे भूसी का व्यापार करते थे,वह अपनी कार से ड्राइवर प्रकाश पुत्र राम बहादुर सिंह भैसौला,कुदरा कैमूर बिहार के साथ कानपुर व्यापार के सिलसिले में जा रहे थे,देर रात बारिश के दौरान उनकी कार सैनी कोतवाली के गुलामीपुर नेशनल हाइबे में डिवाइडर से टकराकर हादसे का शिकार हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची सैनी पुलिस ने

व्यापारी की मौत के बाद अस्पताल में लगा परिजनों का जमावड़ा

घायल अवस्था में दोनो को जिला अस्पताल भेजा जहा ब्यापारी राजेश कुमार को डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया जबकि ड्राइवर को एस आर एन इलाहाबाद के लिए रेफर कर दिया।पुलिस ने देर रात ही परिजनों को हादसे की सूचना दी,पुलिस की सूचना पर जिला अस्पताल पहुंचे परिजनों में कोहराम मच गया।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शिकायतों के निस्तारण में लापरवाह चार अधिकारियों को डीएम ने दी प्रतिकूल प्रविष्टि

शिकायतों के निस्तारण में लापरवाह सात अधिकारियों को डीएम ने दी कड़ी चेतावनी

कौशाम्बी। आईजीआरएस जीआरएस एवं सीएम हेल्पलाइन के तहत प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने तथा दैनिक जनसुनवाई में लापरवाही बरतने पर जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने चार अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि दी है और 7 अधिकारियों को डीएम ने कड़ी चेतावनी दी है अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग हरिवंश सिंह, पूर्ति निरीक्षक चायल रेनू द्विवेदी, पूर्ति निरीक्षक सिराथू राजेश मिश्रा, अधिशासी अधिकारी भरवारी गिरीश चन्द्र एवं सहायक विकास अधिकारी पंचायत मंझनपुर कमलाकांत मिश्र को प्रतिकूल प्रविष्टि दी है। इसके साथ ही जिलाधिकारी द्वारा तहसीलदार चायल, जिला विकास अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, परियोजना निदेशक, चकबंदी अधिकारी चायल, खंड विकास अधिकारी मूरतगंज एवं खंड विकास अधिकारी कौशाम्बी को कड़ी चेतावनी जारी की गई है।

न्यूज झरोखा

लंपी स्किन डिजीज से बचाव के लिए पशुओं का टीकाकरण आवश्यक : सीडीओ

कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी ने अस्थाई गो आश्रय स्थल अढौली विकासखंड सरसवा का बुधवार को निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि जनपद कौशांबी में एलएसडी टीकाकरण का अभियान 19 सितंबर 2022 से प्रारंभ हुआ है।मौके पर उन्होंने एलएसडी टीकाकरण एवं उपस्थित व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर अधीनस्थों को दिशा निर्देश दिया है। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि लंपी स्किन डिजीज एक विषाणु जनित रोग है ,जो अधिकांश गोवंश को प्रभावित करता है। इस बीमारी में पशुओं के शरीर में दानेदार चकत्ते उभरते हैं एवं तेज बुखार एवं भूख न लगना, दूध कम होना शिकायत हो जाती है। यह रोग पश्चिमी यूपी में गोवंश को अधिक प्रभावित कर रहा है एवं जनपद कौशांबी में अभी तक इसके लक्षण नहीं दिखाई दिए हैं। जनपद कौशांबी में एलएसडी वैक्सीन 20000 प्राप्त हुई है जिसमें से 4000 वैक्सीन सरसवा विकासखंड को दी गई है। सरसवा विकासखंड में 16 अस्थाई गो आश्रय स्थल संचालित है, जिसमें से दिनांक 21 सितंबर तक 8 गौशालाओं एवं अंतर्जनपदीय सीमा से 2 किलोमीटर की परिधि में आने वाले 5 गांव में टीकाकरण किया जा चुका है। विकासखंड सरसवा में दो गांव जनपद फतेहपुर एवं चित्रकूट की सीमा रेखा स्पर्श करती है। इसके साथ ही सीडीओ ने सरसवा विकासखंड के अढौली गौशाला एवं समीप के ग्रामों में निरीक्षण कर अधीनस्थों को दिशा निर्देश दिए हैं निरीक्षण के दौरान बीडीओ सरसवा एवं पशु चिकित्सा अधिकारी सरसवा डॉक्टर अजीत कुमार सिंह उपस्थित रहे।

स्वस्थ्य बालक-बालिका प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

कौशाम्बी। जनपद के सभी ऑगनबाड़ी केन्द्रों पर आज स्वस्थ्य बालक-बालिका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिन अधिकारियों ने ऑगनबाड़ी केन्द्रों को गोद लिया है, उनकी उपस्थिति में ऑगनबाड़ी केन्द्रों में स्वस्थ्य बालक-बालिका प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी ने गोद लिए आगनबाड़ी केन्द्र, टेंवा में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया, कार्यक्रम में 60 लाभार्थियो के वजन एवं लम्बाई की माप की गई, इसके साथ ही 02 सैम एवं 08 मैम बच्चों के वजन एवं लम्बाई की माप कराई गई इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेश गुप्ता, सीडीपीओ मुख्य सेविका एवं आगनबाड़ी कार्यकत्री उपस्थित रही।

पुलिस ने छात्राओं को महिला अधिकार के कानून की दी जानकारी

कौशाम्बी। धर्मा देवी इण्टर कालेज केन कनवार में बुधवार को मिशन शक्ति के अंतर्गत पुलिस आप के द्वार कार्यक्रम में नारी सशक्तिकरण विषय पर कार्यक्रम आयोजित किए गए इस कार्यक्रम में पुलिस ने छात्राओं को महिला अधिकार के बारे में जानकारी दी कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी सिराथू डॉ के. जी. सिंह कोतवाल सैनी भुवनेश कुमार चौबे एवं महिला पुलिस अधिकारियों ने विद्यालय की छात्राओं को सरकार द्वारा बनाये गये विभिन्न प्रकार के कानून एवं नियमों की जानकारी दी जिसमे 1090, 102, 112 आदि हेल्पलाइन के विषय मे विशेष जानकारी दिया महिलाओं की सुरक्षा से सम्बंधित जानकारी देते हुए पुलिस ने छात्राओं को जागरुक कर आपातकाल में नंबर डायल करने की अपील की विद्यालय की यशी साहू एल्फा इरशाद खुशी सिंह आदि छात्राओ ने कुछ समस्यात्मक प्रश्न पुलिस से पूछे जिनका महिला पुलिस अधिकारियों ने पूर्णरूपेण समाधान किया छात्राओं ने अपने सुझाव भी प्रस्तुत किये कार्यक्रम में विद्यालय के प्रबंधक रामसुभग त्रिपाठी उपस्थित थे।कार्यक्रम का संचालन रामशंकर सिंह किया।

अमृत सरोवर शाहपुर का सीडीओ ने किया निरीक्षण

कौशांबी। सरसावा विकासखंड क्षेत्र के शाहपुर गांव में अमृत सरोवर के विकास कार्यों का निरीक्षण बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी ने किया है मौके पर उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को दिशा निर्देश देते हुए कहा है कि अमृत सरोवर के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर परिसर में पौधारोपण किया जाए जिससे सरोवर के आसपास हरियाली बनी रहे

वांछित चार अभियुक्तों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी। सराय अकिल थाना क्षेत्र के जैतपुर हजारी के रहने वाले वीरेंद्र कुमार त्रिवेदी पर लगभग डेढ़ महीने पहले ओसा चौराहे पर हमला किया गया था जिसमें वीरेंद्र कुमार त्रिवेदी गंभीर घायल हुए थे मामले में मुकदमा दर्ज होने के बाद वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी में कोतवाली पुलिस प्रयासरत रही मंझनपुर कोतवाल विनोद कुमार सिंह और दीवर चौकी इंचार्ज ने हमले के चार नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और पकड़े गए आरोपियों का चालान न्यायालय में कर दिया है आरोपियों के विरुद्ध मंझनपुर कोतवाली में मुकदमा अपराध संख्या 322 सन 2022 धारा 308 ,323 आईपीसी में पंजीकृत है।

कोतवाल मंझनपुर ने अधिकारी\कर्मचारियों को कराई परेड

कौशांबी। पुलिस महानिदेशक पुलिस जनों के बेहतर स्वास्थ्य को लेकर गंभीर है और डीजीपी लखनऊ ने थानों में प्रतिदिन परेड कराए जाने का निर्देश दिया है जिससे पुलिस जनों के स्वास्थ्य ठीक रहे इसी क्रम में मंझनपुर कोतवाली में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने थाना मंझनपुर के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रातः कालीन परेड कराई है मंझनपुर कोतवाली में 2 दिन से परेड शुरू हो गई है और प्रतिदिन पुलिसकर्मियों को कोतवाली में परेड कराई जाती है जिससे उनका स्वास्थ्य बेहतर रहें मंझनपुर कोतवाल विनोद कुमार सिंह ने बताया कि डीजीपी के निर्देश पर परेड शुरू कराई गई है उन्होंने बताया कि जो पुलिसकर्मी दिन की ड्यूटी में रहते हैं उन्हें परेड में शामिल होना आवश्यक है।

बेखौफ तरीके से लकड़ी माफिया काट रहे हैं हरे पेड़

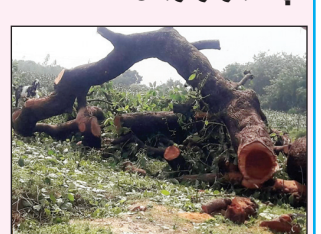

कोखराज कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र में बीते तीन दशक से आधा दर्जन लड़की माफिया कई दर्जन मजदूरों को हरे फलदार वृक्ष के अवैध कटान में लगे हैं वन विभाग और थाना पुलिस लुकाछिपी का खेल खेल रही है जिससे क्षेत्र की हरियाली को गहरा संकट उत्पन्न है। गुरुवार को फिर कोखराज थाना क्षेत्र के संदीपनघाट के गंगा नदी के पास पूर्व दिशा की ओर तूफैल नाम का लकड़ी माफिया पहले दो हरे फलदार पेड़ काट चुका है और हरे पेड़ की लकड़ियों को माफिया बेखौफ तरीके से उठा ले गया है और अब एक विशाल हरे फलदार वृक्ष को रोगी बता कर तीसरे पेड़ को काटने के प्रयास में वह लगा है इलाके में पूरे दिन आधा दर्जन से अधिक लकड़ी माफिया कई दर्जन मजदूरों को लेकर सुबह से फलदार हरे पेड़ों के कटान में लग जाते हैं सब कुछ खुलेआम हो रहा है लेकिन वन विभाग और थाना पुलिस इन लकड़ी माफियाओं पर कार्रवाई करती नही दिख रही है।

पूर्व ब्लाक प्रमुख को मुंबई पुलिस ने किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिले में समाजवादी पार्टी के नेता व बाहुबली ब्लाक प्रमुख रहे मो. सऊद को बृहस्पतिवार की भोर मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मो.सऊद पर मुंबई के साइन थाने में हत्या के प्रयास, जान से मारने की धमकी एवं आर्म्स एक्ट का केस दर्ज है। मुंबई पुलिस के एडिशनल इंस्पेक्टर वीएस जाधव ने कौशाम्बी पुलिस की मदद से पूर्व ब्लाक प्रमुख को उसके घर से गिरफ्तार किया है। पुलिस उन्हें मेडिकल कार्यवाही के बाद मुंबई लेकर रवाना हो गई है।

कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज के रहने वाले मो सऊद सपा नेता है। वह मूरतगंज ब्लाक के पुर्व ब्लाक प्रमुख भी है बृहस्पतिवार की भोर में पूर्व ब्लाक प्रमुख मो सऊद के घर पर अचानक पुलिस पहुच गई तो लोग पुलिस को देख कर दंग रह गए क्योंकि कोखराज पुलिस के साथ ही मुम्बई पुलिस भी थी। इस दौरान पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करके थाना ले गई। बताया जा रहा है कि मुम्बई के साइन थाना में पूर्व ब्लाक प्रमुख की बहन ने उनके ऊपर बेटे की हत्या का प्रयास करने का मुकदमा दर्ज करवाया है। मोहम्मद सऊद ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि उनका उनकी बहन से जायजाद

गिरफ्तार पूर्व ब्लाक प्रमुख

बटवारे को लेकर झगड़ा चल रहा है। बृहस्पतिवार को पुलिस जब उन्हें गिरफ्तार करने पहुंची तो उन्हें पता चला कि उनके ऊपर 307,506 समेत कई अन्य गंभीर धाराओं के मुकदमा दर्ज किया गया है। जबकि वह कई महीनों ने मुम्बई गए ही नही लेकिन वहां भांजे के ऊपर फायरिग करने का मुकदमा दर्ज करवाया गया है। जिस पर पुलिस ने आज उन्हें गिरफ्तार किया है। मो सऊद को मुंबई पुलिस ने जिला अस्पताल में मेडिकल चेकअप करवाया और उसके बाद उन्हें लेकर मुंबई रावना हो गई। साइन थाना के सहायक इंस्पेक्टर विकास शिवाजी जाधव ने बताया कि मुंबई के साइन थाने में मुकद्दमा अपराध संख्या 191/22 में आईपीसी की धारा 307 506 समेत आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज है। जिसके तहत पूर्व ब्लाक प्रमुख मो सऊद की गिरफ्तारी कर उनका मेडिकल कराया गया है। आरोपित को कोर्ट में पेश कर उसे वह ट्रांजिट रिमांड पर मुंबई लेकर जायेगे।

डेंगू से पीड़ित वृद्ध की इलाज के दौरान लखनऊ में मौत

कालेज के शिक्षक के बड़े पिता की मौत पर नेशनल इंटर कॉलेज मे शोक सभा कर कर दी गई छुटटी

भरवारी कौशांबी। नगर पालिका परिषद भरवारी के शिशु मंदिर कॉलोनी के निवासी जगजीवन राम श्रीवास्तव पुत्र राजनारायण श्रीवास्तव 83 वर्ष की गुरुवार को डेंगू बीमारी से राजधानी लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई जिससे पूरा परिवार गमगीन है। बता दे भरवारी स्थित नेशनल इंटर कॉलेज में शिक्षक स्वतंत्र कुमार श्रीवास्तव के बड़े पिता को डेंगू हो गया था जिनको राजधानी लखनऊ के संजीवनी अस्पताल में भर्ती कराया गया था इलाज के दौरान गुरुवार की सुबह उनकी मौत हो गई मौत की खबर लगते ही नैशनल इन्टर कॉलेज के प्रबंधक रवि नारायण तिवारी प्राचार्य कलीम अहमद और सभी शिक्षकों ने शोक सभा कर कॉलेज बंद कर दिया शोक सभा में भुवनेश्वर तिवारी करुणेश त्रिपाठी राकेश त्रिपाठी चंद्र कांत शुक्ला ज्ञान प्रकाश द्विवेदी सहित सभी शिक्षक वा विधार्थी मौजूद थे गंगा नदी के किनारे उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

संदिग्ध दशा में फंदे में झूलती मिली युवक की लाश

करारी कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के म्योहर गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में एक युवक की फंदे से लटकती लाश मिली है सूचना पाकर मौके पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है युवक की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। घटनाक्रम के मुताबिक करारी थाना क्षेत्र के म्योहर गांव निवासी संदीप कुमार उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्र मिठाई लाल की गुरुवार को घर के भीतर फंदे से लटकती मिली है परिजनों का कहना है कि संदीप कुमार मानसिक रूप से कमजोर था और उसने आत्महत्या क्यों की है इसका कारण नहीं समझ में आ रहा है वहीं पुलिस का कहना है कि युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त था युवक की मौत के बाद घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई है सूचना पाते ही मौके पर पुलिस पहुंची है और युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नवनिर्मित मकान का ताला तोड़कर उठा ले गए हजारों का सामान

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशांबी। थाना कोखराज अंतर्गत भरवारी नगर पालिका परिषद की भरवारी पुलिस चौकी अंतर्गत पुरानी बाजार निवासी मनीष गुप्ता पुत्र राम दास गुप्ता ने अपना दूसरा मकान गौरा स्थित लक्ष्मी गेस्ट हाउस परिसर में बनवा रहे है जिसमे शाम को काम समाप्त हो जाने के बाद मजदूर सारा सामान नवनिर्मित मकान में रखकर चले जाते है 'वही पर बिजली का भी समान रखा था रात में घर का ताला तोड़कर चोर अंदर घुस गए और घर में रखा हजारों रुपए के बिजली के समान पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया सुबह होने पर गृह स्वामी को चोरी की जानकारी हुई यहां यह भी बताना अति आवश्यक है कि जनपद में पुलिस अधीक्षक कौशांबी द्वारा कानून व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त करने का अभियान चलाकर चौकी इंचार्ज की तैनाती की है परंतु जबसे यह चौकी इंचार्ज आए है तबसे चोरी की घटना बढ़ती जा रही है उसकी मात्र एक ही वजह है कि जबसे इन्होने चार्ज लिया है तबसे आज तक किसी गली मोहल्ले वा बाजारों में गस्त करना मुनासिब ही नही समझा। चौकी के कार खास सिफाईयो के भरोसे ही चौकी चला रहे है इनको आय लगभग महीनो होने पर आ गए होगे इनको यह भी नही मालूम होगा कि भरवारी की तंग गलियां कहा कहा है मुख्य सड़क पर तो जाते नही है तंग गलियां की जानकारी करना बहुत दूर ऐसे में सवाल उठता है कि कैसे पुलिस अधीक्षक कौशांबी के भय मुक्त अपराध मुक्त कस्बा में अमन चैन की व्यवस्था कर पाने में यह सफल होगे कस्बाईयो का आरोप है कि जब भी इनसे मिलने चौकी जाते भी है तो इनसे मुलाकात करना बहुत ही टेडी खीर होती है ऐसे में बहुत ही कठिन होगा कस्बा को सुरक्षित रखना।

रहस्यमय परिस्थितियों में गायब अधेड़ गुमशुदा की तलाश जारी

कौशाम्बी। करारी थाना के गुलाम नूर का पूरा निवासी राकेश कुमार उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र महादेव प्रजापति एक सप्ताह पूर्व रहस्यमय परिस्थितियों में गायब हो गए हैं वह इन दिनों इलाहाबाद जनपद के थाना खुल्दाबाद के राजरूप में रहते है राकेश कुमार प्रजापति राजरूपपुर से अचानक 13/9/22 से लापता हो गए है गायब राकेश कुमार के बारे में किसी व्यक्ति को यदि कोई जानकारी मिले तो मोबाइल नंबर 9120155291, 9336557576 पर सुचना दें।

वाहनों के बकाया करों के प्रति देय शास्ति शत-प्रतिशत माफ

कौशाम्बी। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी तारकेश्वर मल्ल ने अवगत कराया है कि 01 अप्रैल 2020 या उसके पूर्व पंजीकृत व्यवसायिक वाहनों के बकाया करों के प्रति देय शास्ति (पेनाल्टी) को एक मुश्त शास्ति समाधान योजना के अन्तर्गत शत-प्रतिशत माफ कर दिया गया है। इस योजना के तहत लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 26 सितम्बर 2022 तक है। उन्होंने बताया है कि इस योजना के तहत परिवहन यानों के समस्त स्वामी अथवा उसके विधिक उत्तराधिकारी, जिनके विरूद्ध इस अधिसूचना के दिनांक तक कर एवं शास्ति के लिए वसूली प्रमाण पत्र जारी किया गया हो, वे भी इस अधिसूचना के अधीन पात्र होंगे।

पानी भरने के विवाद में दो पक्षों में चले जमकर लाठी-डंडे

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के धुमाई ग्राम सभा में गुरुवार की सुबह पानी भरने को लेकर दो पक्ष की महिलाओं के बीच विवाद हो गया है मामले में जमकर लाठी-डंडे चले हैं एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की महिलाओं पर लाठियों से हमले किए हैं हमले में कई लोग घायल बताए जाते हैं जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है मामले की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस पहुंची है और कार्रवाई कर रही है हमले का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। घटनाक्रम के मुताबिक सैनी कोतवाली क्षेत्र के धुमाई गांव निवासी अनीता देवी पत्नी रमेश चंद्र अपनी बेटी सोनम के साथ गुरुवार की सुबह सामुदायिक शौचालय के बाहर लगे समरसेबल में पानी भरने गयी थी जिस पर गांव की सविता देवी मां रेशमा देवी पुत्री गुलाब चंद सोनकर ने पानी भरने से मना किया लेकिन अनीता देवी नहीं मानी जिस पर दोनों पक्षों की महिलाओं ने विवाद करना शुरू कर दिया धीरे-धीरे दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया दोनों पक्षों के बीच हो रहे मारपीट में 4 लोग घायल बताए जाते हैं,अनीता उसकी बेटी के साथ मारपीट की जानकारी मिलते ही अनीता की अन्य बेटियां भी घटनास्थल पर पहुंच गयी जिस पर अनीता और उसकी बेटियों को लाठियों से पीटा गया है इस हमले में अनीता देवी उसकी पुत्री सलोनी बबीता सोनम पूनम शालनी के साथ मारपीट की गई जिन्हें चोटे आई है मामले की सूचना अनीता देवी ने पुलिस को दिया है पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पुलिस के अनुसार किसी को गम्भीर चोट नही आई है।

महिलाओं पर हमला करते हुए दबंग

जिला अस्पताल में मारपीट

कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के पिण्डरा गांव के एक युवती गंभीर रोगों से ग्रसित होने पर इलाज हेतु अपने मायके के परिजनों के साथ जिला अस्पताल पहुंची थी जहां कोखराज थाना क्षेत्र के चमन्धा गांव के उसके ससुराली जन भी उसका हालचाल जानने पहुंच गए विवाहिता 1 वर्षों से अपने मायके पिण्डरा में रह रही है जैसे ही उसके ससुराल के लोग विवाहिता को देखने जिला अस्पताल पहुंचे दोनों पक्षों में विवाद हो गया और जमकर मारपीट हुई है मामले की शिकायत लेकर विवाहिता के ससुरालीजन मंझनपुर कोतवाली पहुंचे हैं।

संयुक्त एक दिवसीय कर्मशाला आयोजित

कौशाम्बी। 'हिन्दी-पखवाड़ा' के अन्तर्गत धर्म देवी इं.का. केन, कनवार मे मौखिक-लिखित भाषा-प्रयोग और शुद्धता विषयक आचार्य पण्डित पृथ्वीनाथ पाण्डेय एवं हिन्दी साहित्यकार रणविजय निषाद की संयुक्त एक दिवसीय कर्मशाला का आयोजन शुक्रवार को पूर्वाह्न 10 बजे से की जाएगी जिसमें लब्धप्रतिष्ठ, भाषाविज्ञानी एवं समीक्षक डॉ० पृथ्वीनाथ पाण्डेय, प्रयागराज तथा हिन्दी साहित्यकार रणविजय निषाद भाषा के संवर्द्धन, शुद्धाशुद्ध शब्द-प्रयोग, व्याकरण आदि पर विस्तृत चर्चा-परिचर्चा करेंगे। यह जानकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ० रामकरण त्रिपाठी ने दिया।

पुण्यतिथि पर आयोजित होगा भंडारा

कौशांबी। संत शिरोमणि रविदास महाराज की माता कलसी देवी की पुण्यतिथि 30 सितंबर को विशाल भंडारा आयोजित किए जाने के संबंध में कुबरी घाट कड़ा में संत शिरोमणि रविदास धर्मशाला में एक बैठक आयोजित की गई बैठक में दर्जनों लोग उपस्थित हुए बैठक में निर्णय लिया गया कि कलसी देवी की पुण्यतिथि पर विशाल भंडारा किया जाएगा इस मौके पर छेदीलाल गौतम संता लाल गौतम हुबलाल पूर्व प्रधान घनश्याम बौद्ध बच्चा लाल बौद्ध जगरूप बौद्ध ज्ञानचंद बौद्ध विधा शरण बौद्ध रामविलास अमृतलाल मिश्रीलाल धर्मेश कुमार बैजनाथ सोहन लाल राकेश शैलेन्द्र कुमार रोशनलाल अशोक कुमार आदि रहे।

4 वर्षों में 6 करोड़ से अधिक खर्च नहीं कम हुई दुर्दशा

नगर पंचायत करारी के अधिशासी अधिकारी का एक चहेते ठेकेदार से अधिक कार्य कराए जाने के पीछे क्या है राज!

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। योगी सरकार के भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश की दावे की धज्जियां नगर पंचायत करारी की अधिशासी अधिकारी अंजना मिश्रा उड़ा रही है नगर पंचायत चेयरमैन भी मूकदर्शक बनी हुई हैं 4 वर्षों के बीच चेयरमैन का कार्यालय आना-जाना कम दिखाई पड़ता है अधिशासी अधिकारी अंजना मिश्रा की कठपुतली बनकर चेयरमैन काम कर रही हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने नगर पंचायत करारी क्षेत्र के विकास के लिए 4 वर्षों में 6 करोड़ से अधिक की धनराशि नगर पंचायत को भेजी है लेकिन नगर पंचायत की दुर्दशा का कम नहीं हो सकी है नगर में चारों ओर गंदगी व्याप्त है ना लिया बस बजा रही हैं कूड़े के ढेर लगे हुए हैं गलियों में गड्ढे हो गए हैं लाइट प्रकाश की व्यवस्था भी चौपट है नगर वासियों को ठंडा पानी सप्लाई की योजना विधायक निधि से बनाई गई थी आरओ प्लांट विधायक निधि से लगाए जाने के बाद नगर वासियों को ठंडा पानी भी नहीं मिल सका है 4 वर्ष पहले नगर पंचायत करारी के विकास की जो स्थिति थी नगर में छह करोड़ की रकम खर्च किए जाने के बाद नगर पंचायत की स्थिति जस की तस बनी हुई है नगर पंचायत का अधिकतर ठेका अधिशासी अधिकारी एक चहेते ठेकेदार को देती हैं आखिर एक ठेकेदार को अधिकतम ठेका दिए जाने के पीछे अधिशासी अधिकारी का क्या राज है यह चर्चा का विषय बना हुआ है नगर पंचायत का ठेकेदार कार्यालय से लेकर आवास तक अक्सर दिखाई पड़ता है करारी नगर पंचायत में 4 वर्षों के बीच छह करोड़ रुपए विकास के नाम पर खर्च किए जाने के मामले में यदि योगी सरकार ने जांच कराई तो भ्रष्टाचार के आरोप में अधिशासी अधिकारी अंजना मिश्रा पर कठोर कार्यवाही होना तय है लेकिन क्या योगी सरकार के अधिकारी करारी नगर पंचायत के भ्रष्टाचार की जांच कर भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारी को बेनकाब कर पाएंगे या फिर नगर पंचायत में विकास के नाम पर पलने वाले ठेकेदार और अधिकारियों के साथ साठ का यह खेल सिस्टम के तहत चलता रहेगा।

मैडम का ऑफिस बना बेडरूम

कौशांबी। नगर पंचायत करारी में तैनात अधिशासी अधिकारी अंजना मिश्रा सरकार से आवासीय भत्ता लेने के बाद नगर पंचायत क्षेत्र में निवास नहीं कर रही हैं वह प्रतिदिन नवाबो की तरह इलाहाबाद से दोपहर बाद कार्यालय पहुँचती हैं उनके गुर्गे आगे पीछे लगे रहते हैं कार्यालय परिसर में ही किचन और बेडरूम बनाया गया है बताया जाता है कि कभी-कभी कार्यालय के बेडरूम में रुकना भी होता है आखिर उन्होंने शासन को झूठी सूचना देकर इलाहाबाद में निवास कैसे बनाया है आवासीय भत्ता झूठी सूचना पर कैसे ले रही हैं अधिशासी अधिकारी द्वारा तमाम झूठ बोलकर सरकार को गुमराह किए जाने के मामले में जांच हुई तो इन पर कठोर कार्यवाही तय है किस नियम के तहत कार्यालय को बेडरूम किचन रूम बनाया गया है यह भी एक बड़ी जांच का विषय है बेडरूम और किचन रूम कार्यालय में बनाए जाने के बाद लोगों के बीच तरह-तरह की चचाएँ हैं।

कौशांबी से क्या है लगाव बना चर्चा

कौशाम्बी। नगर पंचायत करारी में तैनात अधिशासी अधिकारी अंजनी मिश्रा इसके पहले नगर पंचायत अझुवा में अधिषासी अधिकारी के पद पर कार्य कर चुकी हैं लेकिन अझुवा नगर पंचायत में इनके द्वारा किए गए कार्यों की शिकायत होने के बाद शासन ने इन्हें दूसरे जिले में स्थानांतरण कर दिया था लेकिन शासन से स्थानांतरित होने के बाद भी अधिशासी अधिकारी अंजनी मिश्रा का कौशांबी से लगाव कम नहीं हुआ और लगातार कौशांबी में तैनाती का यह प्रयास करती रही तमाम प्रयास के बाद आखिरकार इनका स्थानांतरण नगर पंचायत करारी में कर दिया गया है आखिर सरकारी नौकरी करने वाली अधिशासी अधिकारी का कौशांबी से क्या लगाव है इनका कौशाम्बी से क्या रिश्ता है शासन से स्थानांतरित होने के बाद भी यह क्यों जिला नहीं छोड़ना चाहती हैं यह जन चर्चा का विषय बना हुआ है।

संपादकीय

पद यात्राओं का नेताओं के जीवन में अहम रोल

भारतीय राजनीति ही नहीं वरन उसकी आजादी के आंदोलन का भी पद यात्राओं से सम्बन्ध रहा है। अगर कहें कि भारत की स्वतंत्रता का जन्म ही ऐसी यात्राओं से हुआ है, तो गलत न होगा। 1906 में गांधी जी के रहते दक्षिण अफ्रीका में ट्रांसवाल में रंग भेद पर आधारित एक कानून लाया गया था। भारतीय नागरिकों के लिये यह पंजीकरण का अधिनियम भेदभाव एवं अन्याय पर आधारित था। जैसे-जैसे राहुल गांधी की पद यात्रा आगे बढ़ रही है, वह अनेकानेक तरह की आशाओं और आशंकाओं को अपने में समाहित कर रही है। कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'भारत जोड़ो' के नाम से हो रही यह पैंया-पैंया वाली यात्रा अपने गंतव्य तक पहुंचते हुए देश, लोकतंत्र और भारत के राजनैतिक विमर्श को क्या-क्या प्रदान करेगी, यह तो आने वाला समय ही बतायेगा। फिर भी इतना जरूर है कि सफलता या असफलता दोनों परिस्थितियों में इसका उल्लेख हमेशा होगा। अगर यह कामयाब हुई तो एक विकल्प के रूप में देश को फिर से मजबूत कांग्रेस मिलेगी और असफल हुई तो भी सत्ता से लड़ने का भूला-बिसरा तरीका पुनः देशवासियों के हाथ में लग जायेगा। जनता का वह आंदोलनकारी रूप एक बार फिर से उठ खड़ा होगा जो सत्ता के कान उमेठने और उसे सही राह पर चलते रहने की चेतावनी देगा। पहली व सबसे बड़ी आशा तो यही है कि इससे सड़कों पर विरोध एवं प्रदर्शनों का महत्व फिर से स्थापित होगा। पिछले 8-9 वर्षों से जहां एक ओर नरेन्द्र मोदी सरकार ने अपने खिलाफ उठने वाली सभी आवाजों को कुचला है और संवाद के तमाम लोकतांत्रिक प्लेटफॉर्मों को विचार-विमर्श के लिये बन्द कर दिया है, वहीं उनकी भारतीय जनता पार्टी एवं सम्बन्धित संगठनों ने लोगों के मन में यह बात बैठा दी है कि मोदी सरकार के खिलाफ कुछ कहना मानों देश के विरोध में होना है। एक सुनियोजित एवं संगठित तरीके से सरकार व पार्टी ने विरोधी विचारधारा, प्रतिपक्ष, स्वतंत्र आवाजों, मानवाधिकार कार्यकताओं एवं सामाजिक संगठनों के विरुद्ध दुष्प्रचार कर सामान्य जनता में इनके खिलाफ जहर ही भरा है। जिस तरह से लोकतंत्र विरोधी रवैया अपनाते हुए मोदी सरकार व भाजपा ने विभिन्न विश्वविद्यालयों, शाहीन बाग, किसान आंदोलन आदि का क्रूरतापूर्वक दमन किया है, वह निरंकुशता की श्रेणी में आता है और जनतांत्रिक कार्यप्रणाली व सोच का 180 डिग्री है। विरोध, प्रदर्शन, आंदोलन आदि लोकतंत्र के प्राण वायु हैं। अगर संसद समेत विधायनी संस्थाओं को जनोन्मुखी बनाये रखना है तो सड़कों पर जनता के कदमों की आहट और धमक हर वक्त सुनाई देनी चाहिये। राजशाही और एकदलीय शासन प्रणालियों में जनांदोलनों को जहां सर नहीं उठाने दिया जाता, वहीं लोकतांत्रिक पद्धति की पहली शर्त ही जनता की राय से चलना है। जब उसकी बात का संज्ञान नहीं लिया जायेगा, तो सड़कों का गुंजायमान होना जरूरी है। जिन विकसित एवं सम्पन्न देशों में तक, जहां सारी सुख-सुविधाएं पहले से मौजूद हैं, लोग अपनी मांगों को लेकर या किसी न किसी मुद्दे पर सड़कों पर प्रदर्शन करते रहते हैं ताकि सरकारें उनकी राय को सुनें और उनकी बेहतरी के लिये सतत काम करती रहें। भारतीय राजनीति ही नहीं वरन उसकी आजादी के आंदोलन का भी पद यात्राओं से सम्बन्ध रहा है। अगर कहें कि भारत की स्वतंत्रता का जन्म ही ऐसी यात्राओं से हुआ है, तो गलत न होगा। 1906 में गांधी जी के रहते दक्षिण अफ्रीका में ट्रांसवाल में रंग भेद पर आधारित एक कानून लाया गया था।

राहुल के सलाहकार कहीं और से निर्देशित तो नहीं?

अनिल जैन

जहां तक भाजपा से हारने-जीतने की बात है तो उसकी हकीकत समझने के लिए किसी बड़ी बौद्धिक कवायद की जरूरत नहीं हैं। पिछले आठ साल में जितने भी चुनाव हुए हैं, उनमें भाजपा के विजय रथ जहां कहीं भी रुका है तो उसे क्षेत्रीय दलों ने ही रोका है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, दिल्ली, पंजाब, झारखंड आदि राज्य अगर आज भाजपा के कब्जे में नहीं है तो सिर्फ और सिर्फ क्षेत्रीय दलों की बदौलत ही। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का कहना है कि राहुल गांधी की अगुवाई में शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा का मकसद कांग्रेस को मजबूत करना है न कि विपक्ष को एकजुट करना। जयराम रमेश भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ चल रहे हैं और उन्होंने यह बयान यात्रा के केरल पहुंचने पर दिया है, जहां वामपंथी मोर्चा की सरकार है। उनका यह बयान कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधि बयान माना जाना चाहिए और साथ ही यह भी माना जा सकता है कि अपने इतिहास की सबसे दर्दनाक अवस्था से गुजर रही इस पार्टी के नेता अभी भी सुधरने या अपना अहंकार छोड़ने को तैयार नहीं हैं। केंद्र में दस साल तक गठबंधन सरकार चलाने के बाद भी कांग्रेस के कई नेता अभी तकइस हकीकत को पचा नहीं पा रहा है कि कांग्रेस के लिए अकेले राज करना अब इतिहास की बात हो गई है। कांग्रेस के नेताओं को लगता है कि जनता जब भी मौजूदा सरकार से पूरी तरह त्रस्त हो जाएगी तो खुद ब खुद कांग्रेस को सत्ता सौंप देगी। उनका यही अहसास उन्हें मौजूदा सरकार की तमाम जनविरोधी नीतियों, भीषण महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ मैदानी संघर्ष करने से रोकता है। अपने अहंकारी रवैये के चलते वे बाकी विपक्षी पार्टियों को हिकारत की नजर से देखते हुए यह भी भूल जाते हैं कि अब देश के सिर्फ दो राज्यों में ही कांग्रेस की सरकार है और दो बड़े राज्यों में वह क्षेत्रीय दलों के साथ बहुत छोटे से सहयोगी के दल के रूप में सत्ता में साझेदार है। विपक्षी एकता के बारे में जयराम रमेश का बयान कोई नया नहीं है। खुद राहुल गांधी भी अक्सर कहते रहते हैं कि सिर्फ कांग्रेस ही भाजपा से लड़ सकती है और उसकी विभाजनकारी राजनीति का मुकाबला कर सकती है। चार महीने पहले उदयपुर में हुए कांग्रेस के नव संकल्प शिविर में भी राहुल गांधी ने कहा था कि क्षेत्रीय पार्टियां भाजपा को नहीं हरा सकतीं, क्योंकि उनके पास कोई विचारधारा नहीं है। राहुल गांधी का यह कहना तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक तो है ही, यह उन्हें राजनीतिक रूप से अपरिपक्व भी साबित करता है। मौजूदा समय की हकीकत है कि एक-दो अपवाद को छोड़ कर कांग्रेस कहीं भी अकेले के दम पर भाजपा का मुकाबला करने की स्थिति में नहीं है।

स्वच्छता से ही स्वस्थ एवं सशक्त भारत संभव

ललित गर्ग

हर साल 24 सितंबर को विश्व सफाई दिवस होता है, इस दिवस का उद्देश्य सफाई कार्यों में भाग लेने के लिए समाज के सभी क्षेत्रों को प्रोत्साहित एवं प्रेरित करके कुप्रबंधित अपशिष्ट संकट के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। व्यक्तियों, सरकारों, निगमों और संगठनों को सफाई में भाग लेने और कुप्रबंधित कचरे से निपटने के लिए समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अस्वच्छता एवं गंदगी दुनिया की बड़ी समस्या है। घर या अपने आसपास संक्रमण फैलने से बचाने और गंदगी के पूर्ण निपटान के लिये हमें ध्यान रखना चाहिये कि कूड़ा केवल कूड़ेदान में ही डालें। साफ-सफाई केवल एक व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है बल्कि ये घर, समाज, समुदाय, देश एवं दुनिया के हर नागरिक की जिम्मेदारी है। हमें इसके महत्व और फायदों को समझना चाहिये। हमें संकल्प लेना चाहिये कि न तो हम खुद गंदगी फैलाएंगे और न किसी को फैलाने देंगे। अनेक बीमारियों पर नियंत्रण के लिये साफ-सफाई एवं स्वच्छता जरूरी है, कोरोना महामारी के दौरान हमने स्वच्छता का महत्व गहराई से समझा। सफाई के विषय में एक कहावत बहुत मशहूर है, कि प्रत्येक व्यक्ति अपना-अपना आँगन साफ करें तो पूरी दुनिया स्वच्छ हो जाए। सीधी सच्ची बात है कि सफाई सभ्यता का अंग है। जब तक हमारे घर, द्वार और रास्ते गंदे रहेंगे, हमारी आदते गन्दी रहेंगी तब तक हम अपने आपको सभ्य और सुसंस्कृत नहीं कह सकते। गाँव की गलियाँ गन्दी है, सड़कों के किनारे गन्दे हैं, इतना ही नहीं, आज जीवन के हर क्षेत्र में गन्दगी प्रवेश कर गई है। दूषित मनोवृत्ति और दूषित वातावरण के रहते, भले ही लोगों का धर्म और दर्शन कितना ही गौरवपूर्ण एवं प्राचीन क्यों न हो, उन्हें कोई सम्मान नहीं दे सकता। श्रेष्ठता और संस्कृति का पहला गुण स्वच्छता है। हम साफ और स्वच्छ रहकर ही अपने आदर्शों एवं सिद्धान्तों की रक्षा कर सकते हैं। सफाई प्रकृति का एक मौलिक गुण है। स्वच्छता और पवित्रता धर्म का प्रमुख अंग माना जाता है तो उसका सही-सही ज्ञान भी होना आवश्यक है। शिक्षा और संस्कृति के साथ सफाई का स्वास्थ्य से भी अटूट सम्बन्ध है। महात्मा गांधी ने अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने संबंधी शिक्षा प्रदान कर राष्ट्र को एक उत्कृष्ट संदेश दिया

था। उन्होंने ह्स्वच्छ भारतह्व का सपना देखा था जिसके लिए वह चाहते थे कि भारत के सभी नागरिक एक साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने के लिए कार्य करें। स्वतंत्रता से ज्यादा महत्वपूर्ण है स्वच्छता गांधी के उक्त कथन से यह ध्वनित होता है कि वह जीवन में स्वच्छता के कितने बड़े हिमायती थे। सबसे बड़ी बात यह है कि वह सिर्फ बाहरी स्वच्छता यानी घर, पास-पड़ोस आदि के ही पक्षधर नहीं थे, बल्कि मन की स्वच्छता के भी प्रबल पक्षधर थे। महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के स्वप्न को पूरा करने के लिए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया और इसके सफल कार्यान्वयन हेतु भारत के सभी नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की। उन्होंने सशक्त भारत-नया भारत के लिये स्वच्छता को प्राथमिक आवश्यकता बताई। इस अभियान के तहत सरकार ने शहर एवं ग्रामीण दोनो क्षेत्रों मे स्वच्छता को बढ़ावा दिया है और पूरे भारत को खुले मे शौच मुक्त करने का प्रण लिया है। अब तक 98 प्रतिशत भारत को खुले में शौचमुक्त बनाया जा चुका है। इसी प्रकार कई अन्य अभियान हैं जैसे निर्मल भारत, बाल स्वच्छता अभियान आदि। सबका उद्देश्य भारत में स्वच्छता को बढ़ावा देना है।

स्वच्छता एक अच्छी आदत है जो हम सभी के लिये बहुत जरूरी है। हमें अपने घर, पालतू जानवर, अपने आस-पास, पर्यावरण, तालाब, नदी, स्कूल आदि सहित सबकी सफाई करते रहना चाहिए। हमें सदैव साफ, स्वच्छ और अच्छे से कपड़े पहनना चाहिये। ये समाज में अच्छे व्यक्तित्व और प्रभाव को बनाने में मदद करता है, क्योंकि ये आपके अच्छे चरित्र को दिखाता है। धरती पर हमेशा के लिये जीवन को संभव बनाने के लिये अपने शरीर की सफाई के साथ पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों-भूमि, पानी, खाद्य पदार्थ, वायु आदि को भी साफ बनाए रखना चाहिये। स्वच्छता हमें मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और बौद्धिक हर तरीके से स्वस्थ बनाता है। सामान्यतः, हमने हमेशा अपने घर में ये ध्यान दिया होगा कि हमारी दादी और माँ पूजा से पहले स्वच्छता को लेकर बहुत सख्त होती हैं, तब हमें यह व्यवहार कुछ अलग नहीं लगता, क्योंकि वो बस साफ-सफाई को हमारी आदत बनाना चाहती हैं। हर अभिवावक को तार्किक रूप से स्वच्छता के उद्देश्य, फायदे और जरूरत आदि के बारे में अपने बच्चों से बात करनी चाहिये। उन्हें जरूर बताना चाहिये कि स्वच्छता हमारे जीवन में खाने और पानी की तरह पहली प्राथमिकता है।

अपने भविष्य को चमकदार और स्वस्थ बनाने के लिये हमें हमेशा खुद का और अपने आसपास के पर्यावरण का ख्याल रखना चाहिये। हमे साबुन से नहाना, नाखुनों को काटना, साफ और इस्त्री किये हुए कपड़े आदि कार्य रोज करना चाहिये। घर को कैसे स्वच्छ और शुद्ध बनाए ये हमें अपने माता-पिता से सीखना चाहिये। हमें अपने आसपास के वातावरण को साफ रखना चाहिये ताकि किसी प्रकार की बीमारी न फैले। कुछ खाने से पहले और खाने के बाद साबुन से हाथ धोना चाहिये। हाथ धोना हमारे लिए कितना जरूरी है, कोरोना महामारी की शुरूआत में यह तो सबको समझ में आ ही गया है। क्योंकि हाथ धुलने से बीमारियों का खतरा काफी कम हो जाता है। जब कोविड-19 जैसी बीमारियों ने दस्तक दी, तब सबको एक ही हिदायत दी गई कि किसी भी चीज को छूने के बाद हाथों को अच्छी तरह से साफ करें। साबुन से 30 सेकंड तक हाथ धोएं। इससे हम हैजा, डायरिया, निमोनिया और कोविड-19 जैसी वैश्विक बीमारी को भी परास्त कर सकते हैं। हमें पूरे दिन साफ और शुद्ध पानी पीना चाहिये, हमें बाहर के खाने से बचना चाहिये, साथ ही ज्यादा मसालेदार और तैयार पेय पदार्थों से परहेज करना चाहिये। इस प्रकार हम खुद को स्वच्छ के साथ-साथ स्वस्थ भी रख सकते हैं। गंदे पानी व भोजन के सेवन से पीलिया, टाइफाइड, कॉलेरा जैसी खतरनाक बीमारियां फैलती हैं। गंदे परिवेश मे मच्छर पनपते हैं जो मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया जैसी जानलेवा बीमारियां फैलाते हैं। स्वच्छता एक क्रिया है जिससे हमारा शरीर, दिमाग, कपड़े, घर, आसपास और कार्यक्षेत्र साफ और शुद्ध रहते है। अपने आसपास के क्षेत्रों और पर्यावरण की सफाई सामाजिक और बौद्धिक स्वास्थ्य के लिये बहुत जरूरी है। हमें साफ-सफाई को अपनी आदत में लाना चाहिये और कूड़े को हमेशा कूड़ेदान में ही डालना चाहिये, क्योंकि गंदगी वह जड़ है जो कई बीमारियों को जन्म देती है। जो रोज नहीं नहाते, गंदे कपड़े पहनते हों, अपने घर या आसपास के वातावरण को गंदा रखते हैं, ऐसे लोग हमेशा बीमार रहते हैं। गंदगी से आसपास के क्षेत्रों में कई तरह के कीटाणु, बैक्टीरिया वाइरस तथा फंगस आदि पैदा होते हैं जो बीमारियों को जन्म देते हैं। जिन लोगों की गंदी आदतें होती हैं वो भी खतरनाक और जानलेवा बीमारियों को फैलाते है। संक्रमित रोग बड़े क्षेत्रों में फैलाते हैं और लोगों को बीमार करते हैं, कई बार तो इससे मौत भी हो जाती है। इसलिये, हमें नियमित तौर पर अपने स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिये। स्वच्छता से हमारा आत्म-विश्वास बढ़ता है और दूसरों का भी हम पर भरोसा बनता है। ये एक अच्छी आदत है जो हमें हमेशा खुश रखेगी। ये हमें समाज में बहुत गौरवान्वित महसूस कराएगी। हमारे स्वस्थ जीवन शैली और जीवन के स्तर को बनाए रखने के लिये स्वच्छता एवं साफ-सफाई बहुत जरूरी है। ये व्यक्ति को प्रसिद्ध बनाने में अहम भूमिका निभाती है। पूरे भारत में आम जन के बीच स्वच्छता को प्रचारित व प्रसारित करने के लिये भारत की सरकार द्वारा कई सारे कार्यक्रम और सामाजिक कानून बनाए गये और लागू किये गये है। एक व्यक्ति अच्छी आदत के साथ अपने बुरे विचारों और इच्छाओं को खत्म कर सकता है।

हमें अपने आसपास के वातावरण को साफ रखना चाहिये ताकि किसी प्रकार की बीमारी न फैले। कुछ खाने से पहले और खाने के बाद साबुन से हाथ धोना चाहिये। हाथ धोना हमारे लिए कितना जरूरी है, कोरोना महामारी की शुरूआत में यह तो सबको समझ में आ ही गया है। क्योंकि हाथ धुलने से बीमारियों का खतरा काफी कम हो जाता है। जब कोविड-19 जैसी बीमारियों ने दस्तक दी, तब सबको एक ही हिदायत दी गई कि किसी भी चीज को छूने के बाद हाथों को अच्छी तरह से साफ करें

अन्याय का बोझ उठाना गाय के लिए संभव नहीं होगा

सर्वमित्रा सुरजन

चीते के आने पर शेर को ही नहीं गाय को भी अपने अस्तित्व की चिंता होने लगी है। गौमाता ने अपने कारण कई निर्दोषों के प्राण जाते देखे। मान्यता है कि गाय ने धरती का बोझ उठा रखा है। मगर अन्याय का बोझ उठाना गाय के लिए संभव नहीं होगा। और अन्याय से अधिक विश्वासघात का धक्का गायें सहन नहीं कर पाएंगी। पिछले कुछ बरसों में गायों ने देखा है कि उनके आगे इंसानी जान की कीमत कुछ नहीं रही। चीता एक राजनैतिक प्राणी है। 50 के दशक में भारत से लुप्त होने से पहले चीता भी एक जंगली, मांसाहारी और विडाल वंशी प्राणी माना जाता था। लेकिन जैसे मेरा देश बदल रहा है, वैसे चीते का कुल, मयार्दा और पहचान भी बदल जाए तो आश्चर्य नहीं। चीते का वैज्ञानिक नाम एसीनॉनेक्स जुबाटस होता है। बिल्ली के परिवार का यह जानवर अपने पंजों की बनावट के कारण खास स्थान रखता है। इसके पंजे बंद नहीं होते, जिस वजह से इसकी पकड़ कमजोर होती है। मगर यह सब विशेषताएं उन चीतों की हो सकती हैं, जो भारत के बाहर दूसरे देशों में हैं। भारत में अब जो आठ चीते नामीबिया से लाए गए हैं, जल्द ही उनका भी वैज्ञानिक नाम परिवर्तन हो सकता है। देश में पिछले कुछ सालों में कई जगहों के नाम और रूप बदले गए हैं, जिनसे देश को नयी पहचान मिली है। दावा है कि जनता को आंतरिक तौर पर नयी ताकत का अहसास हुआ है। यह सब अपनी जड़ों की ओर लौटने का सुपरिणाम है। फिर भले ही कोई शिकायत करता रहे कि देश मानव सूचकांक में नीचे हैं, कि कुपोषण और भुखमरी की मार देश में है। खैर, अब चीतों की पहचान भी उनकी जड़ों से करवाई जाएगी। उनके नए वैज्ञानिक नाम के लिए कुछ सुझाव पेश हैं। जैसे मोशानॉनेक्स लोटस, बीजेपीनेक्स कमलटस, मुमकनॉनेक्स जुमलाटस इत्यादि। नामकरण संस्कार के बाद चीतों को तुरंत ही एहसास होने लगेगा, कि न वो आए हैं, न उन्हें लाया गया है, वो मां भारती की संतान हैं और भारतमाता ने उन्हें बुलाया है। इसके बाद उन्हें इस देश की आबोहवा में सब चंगा सी वाला एहसास होने लगेगा। जंगल के दूसरे प्राणियों को उनका वणक्कम पहुंचेगा और वे जल्द ही सबसे गले मिलने की महान परंपरा को निभाते दिखेंगे। जब एक घाट पर शेर और बकरी के पानी पीने के किस्से सुनाए जा सकते हैं, तो फिर चीते और चीतल की मित्रता क्यों नहीं हो सकती। ऐसा होने से उन विधायकों की शिकायत भी दूर हो जाएगी, जो चीतल को चीते का भोज बनने की खबर पर परेशान हैं। इसके बाद नई नस्ल के बच्चे जिस तरह अभी मगरमच्छ के बच्चे को पकड़ कर लाने के किस्से सुनते हैं, या बुलबुल के पंखों पर मातृभूमि की सैर की गाथाएं सुनते हैं, वे कहानियां सुनेंगे कि हमारे देश में इतनी उदारता और सहिष्णुता है कि चीता और चीतल एक साथ एक जंगल में रहते हैं। हालांकि कुछ अर्बन प्राणियों को यह बात साजिश की तरह दिख सकती है जबकि सबसे बड़ी साजिश तो ये है कि ये अर्बन प्राणी टुकड़े-टुकड़े का ठप्पा लगने के बाद वे भारत को जोड़ने की यात्रा करते हैं। खैर, फिलहाल बात चीते की करते हैं। चीते को अब तक तेज भागते हुए ही देखा गया है। चीते की इस तेज रफ्तार को कुछ व्यापारियों और उद्योगपतियों से चुनौती मिल सकती है। क्योंकि उनके बैंक खातों में चीते की दौड़ से कहीं ज्यादा तेजी देखी गई। वैसे चीता चाहे तो योग गुरुओं की शरण में आकर जल्द ही योग का नया प्रतीक भी बन सकता है। उसके पंजे जो अब तक बंद नहीं होते हैं, और जिनकी पकड़ कमजोर मानी जाती है, यह दोष भी जल्द ही दूर हो जाएगा। नए नाम और पहचान के साथ चीतों को अपने कब्जे में आने वाली हर चीज को कसकर पकड़ना आ जाएगा। चीतों की एक खासियत ये है कि वे चाहे जितने खूंखार दिखते हों, लेकिन वे गुर्राते नहीं बल्कि बिल्ली की तरह म्याऊं-म्याऊं जैसी ध्वनि निकालते हैं। फर्क इतना ही है कि बिल्ली की म्याऊं थोड़ी हल्की और पतली होती है, वहीं चीते की म्याऊं में वजन और भारीपन होता है। ये फर्क वैसा ही है जैसे सत्ता के बाहर रहने और सत्ता में आ जाने के बाद नेताओं के सुर बदल जाते हैं। इसके कई नमूने देश ने देखे हैं। जैसे गैस की कीमत जिन लोगों को पहले ज्यादा लगती थी, वे वजनदार आवाज में भारी विरोध करते थे, लेकिन अब भी गैस की कीमत अधिक लगने के बावजूद उनके मुंह से विरोध की हल्की आवाज भी नहीं निकलती। विदेशी जंगलों का तो पता नहीं, लेकिन भारतीय राजनीति के जंगल में यह आम चलन है कि जैसे ही सत्ता बदलती है, विचारधारा और सुरों का बदलाव लक्षणीय हो जाता है। अब चीता भी नए राज्य में, नए शासक के अधीन आ गया है, और उम्मीद है कि जैसे ही भक्त संप्रदाय में चीते की दीक्षा पूरी होगी, वैसे ही वो भी दहाड़ना सीख जाएगा। चीता अगर दहाड़ना सीखता है तो फिर यह विषय विद्वानों के विमर्श के केंद्र में रहेगा कि चीते की दहाड़ और शेर की दहाड़ में किस तरह का फर्क महसूस किया जा सकता है। चीते की दहाड़ क्या 56 इंच के सीने और लाल आंखों वाली जांबाजी का मुकाबला कर पाएगी या फिर आभासी होगी, जो टेलीप्रॉम्प्टर के सामने होने पर ही निकलेगी, अन्यथा म्याऊं से ही चीते का काम चलता रहेगा। चीता भारत के जंगल में तो आ गया है, लेकिन इस जंगल का राजा वह बन पाएगा या नहीं, यह जंगल के प्राणियों पर निर्भर करता है।

अब तक शेर को ही जंगल का राजा कहा जाता है, लेकिन चीते के आने के बाद शेर को अपने अस्तित्व के लिए सतर्क होना पड़ रहा है। शेर के लिए यह सतर्कता जरूरी भी है, क्योंकि हाल ही में उसके मूर्तिरूप में परिवर्तन कर यह संकेत दे दिया गया है कि आगे और बदलाव मुमकिन हैं। अब अगर शेर ने लापरवाही बरती तो न जाने क्या-क्या बदल जाएगा। शेर का नाम भारत के इतिहास से मिटा कर चीते का नया इतिहास लिखा जा सकता है। चीते के आने पर शेर को ही नहीं गाय को भी अपने अस्तित्व की चिंता होने लगी है। गौमाता ने अपने कारण कई निर्दोषों के प्राण जाते देखे। मान्यता है कि गाय ने धरती का बोझ उठा रखा है। मगर अन्याय का बोझ उठाना गाय के लिए संभव नहीं होगा। और अन्याय से अधिक विश्वासघात का धक्का गायें सहन नहीं कर पाएंगी। पिछले कुछ बरसों में गायों ने देखा है कि उनके आगे इंसानी जान की कीमत कुछ नहीं रही। भारत से लेकर इंग्लैंड तक गो पूजा होते देखी गई। गायों ने मान लिया था कि उनके मान-सम्मान और रक्षा के लिए सारे जतन किए जाएंगे।

गायों को गुमान था कि इस देश में वृद्धा मां के पैर धोते हुए, उनके हाथ से शगुन लेते या प्रसाद खाते हुए तस्वीरें छपती हैं, तो माता का दर्जा होने के नाते उन्हें भी ऐसी इज्जत बख्शी जाएगी। लेकिन लंपी वायरस के आते ही गौमाता को उसके हाल पर मरने छोड़ दिया गया। और अब चीतों के आने के बाद गायों की बची-खुची पूछ-परख खत्म न हो, ये आशंका गायों को हो रही है।

अखिलेश का पद यात्राओं पर ध्यान

प्रदीप कपूर

अखिलेश यादव को 2022 के विधानसभा चुनावों में वोट शेयर और सीटों की संख्या के मामले में जो भी सफलता मिली, वह उनकी रथयात्रा के कारण थी जिसके तहत दौरा किया और लोगों को सपा के पक्ष में लामबंद करने में सक्षम थे। अखिलेश यादव सड़कों पर उतरने के अलावा अपनी पार्टी में बड़े पैमाने पर सुधार करने में लगे हैं। उन्होंने युवाओं को लाने और उन्हें पार्टी का संदेश फैलाने की जिम्मेदारी देने के लिए सभी राज्य और जिला इकाइयों को भंग कर दिया है। विपक्ष के नेता और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फैसला किया है कि उनकी पार्टी 2024 लोकसभा का सामना करने के लिए भाजपा को टक्कर देने के लिए सार्वजनिक मुद्दों पर सड़कों पर उतरेगी। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यूपी विधानमंडल सत्र के उद्घाटन के दिन अपनी पार्टी के विधायकों की प्रभावशाली पदयात्रा का नेतृत्व किया। अखिलेश यादव ने कानून-व्यवस्था बिगड़ने, बढ़ती बेरोजगारी और महिलाओं के खिलाफ अपराध के मुद्दों को उठाने के लिए पार्टी मुख्यालय से विधान भवन तक अपनी पदयात्रा शुरू की। जब पुलिस प्रशासन ने पदयात्रा को आगे जाने से रोका तो अखिलेश यादव ने अपनी पार्टी के विधायकों को विरोध में धरना देने का निर्देश दिया। समाजवादी पार्टी के विधायकों ने भी सड़कों पर विधानसभा का मॉक सेशन आयोजित किया। अखिलेश यादव ने महसूस किया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ी यात्रा कांग्रेस की मदद कर रही है। पार्टी के संदेश को फैलाने और चुनावों में राजनीतिक लाभ हासिल करने का एकमात्र तरीका सार्वजनिक मुद्दों के साथ सड़कों पर जनता तक पहुंचना था। अखिलेश यादव की सपा ने 2012 के विधानसभा चुनावों में जीत हासिल की और राज्य में साइकिल यात्रा का नेतृत्व करने और राज्य को कवर करने के बाद सत्ता में आई। वह उस पार्टी का युवा और ताजा चेहरा थे जिसने जनता को समाजवादी पार्टी को सत्ता में लाने के लिए प्रेरित किया। अखिलेश के पिता और समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने भी अस्सी के दशक के अंत में क्रांतिकारी मोर्चा का गठन किया और क्रांति रथ में राज्य का दौरा किया, जिसने समृद्ध लाभांश का भुगतान किया और लोगों ने उन्हें राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में स्थापित किया। यहां यह उल्लेखनीय है कि अखिलेश यादव को 2022 के विधानसभा चुनावों में वोट शेयर और सीटों की संख्या के मामले में जो भी सफलता मिली, वह उनकी रथयात्रा के कारण थी जिसके तहत दौरा किया और लोगों को सपा के पक्ष में लामबंद करने में सक्षम थे। अखिलेश यादव सड़कों पर उतरने के अलावा अपनी पार्टी में बड़े पैमाने पर सुधार करने में लगे हैं। उन्होंने युवाओं को लाने और उन्हें पार्टी का संदेश फैलाने की जिम्मेदारी देने के लिए सभी राज्य और जिला इकाइयों को भंग कर दिया है। अखिलेश यादव ने इस महीने के अंत में राष्ट्रीय और राज्य सम्मेलन आयोजित करने की भी घोषणा की है। उन्होंने अपने चाचा प्रो राम गोपाल यादव को आवश्यक व्यवस्था करने की जिम्मेदारी दी है। अब तक, समाजवादी पार्टी जयंत चौधरी के राष्ट्रीय लोक दल के साथ गठबंधन में है, जिसका पश्चिमी यूपी में शक्तिशाली जाट समुदाय पर अच्छा प्रभाव है। अखिलेश यादव ने 2022 के विधानसभा चुनावों में कड़वे अनुभव के बाद महान दल और ओम प्रकाश राजभर की सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और उनके चाचा शिवपाल यादव की कंपनी छोड़ दी है। लेकिन सपा नए सहयोगियों की तलाश में है और यह देखना दिलचस्प होगा कि 2024 के चुनाव से पहले कौन शामिल होता है।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती भी चुपचाप लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी हैं। मायावती और बहुजन समाज पार्टी सार्वजनिक मुद्दों पर सड़कों पर उतरने के लिए नहीं जानी जाती हैं।

स्मृति शेष: अलविदा राजू श्रीवास्तव

आर.के. सिन्हा

राजू श्रीवास्तव की सेहत को लेकर बीच-बीच में खबरें आने लगीं थीं कि वे कुछ बेहतर हो रहे हैं। उनके स्वास्थ्य में कुछ सुधार हो रहा है। पिछले सप्ताह जब मैं उन्हें देखने एम्स गया था। जब उनकी श्रीमती जी ने आवाज लगाई कि 'आर. के. भाई साहब आये हैं तो उन्होंने आखें खोलने की असफल चेष्टा भी की थी।' एक उम्मीद बंधने लगी थी कि वे फिर से ठीक होकर देश को अपने चुटीले व्यंग्यों से हंसाने लगेंगे। पर अफसोस कि राजू श्रीवास्तव नहीं रहे। एम्स जैसे प्रख्यात अस्पताल के डॉक्टर भी उन्हें बचा न सके। कानपुर से मुंबई जाकर अपने फिल्मी करियर को बनाने-संवारने गए राजू श्रीवास्तव ने सफलता को पाने से पहले बहुत पापड़ बेले थे। राजू श्रीवास्तव ने स्टैंडअप कॉमेडियन के रूप में अपनी साफ-सुथरी कमेडी से करोड़ों लोगों को आनंद के पल दिये हैं। उनके काम में अश्लीलता नहीं थी। वे बेहद गंभीर किस्म के इंसान थे। साफ है कि कॉमेडी करना या व्यंग्य लिखना आपसे गंभीरता की ही मांग करता है। आमतौर पर समझा जाता है कि व्यंग्यकार या कॉमेडियन हंसोड़ किस्म के ही लोग होते होंगे। लेकिन, यह बात सच से बहुत दूर है। राजू श्रीवास्तव का दिवंगत होना कला जगत की अपूरणीय क्षति है। उन्होंने गजोधर चरित्र के माध्यम से एक आम आदमी की समस्याओं को हास्य के माध्यम से प्रस्तुत किया, साथ ही अपनी अवधी भाषा को समृद्ध भी किया। उन्हें अवधी से बहुत प्रेम था। करोड़ों लोगों के चेहरे पर मुस्कुराहट व हंसी लाने वाले राजू श्रीवास्तव सबको रुला कर अपनी आगे की यात्रा पर प्रस्थान कर गए। हां, कलाकार कभी मरता नहीं, उसका लालित्य व कला अमरत्व प्रधान होती है। हास्य कलाकारों के लिए एक सुदृढ़ पृष्ठभूमि निर्मित करने वाले राजू श्रीवास्तव ने 41 दिनों तक मृत्यु से अपनी लम्बी लड़ाई लड़ी। संघर्ष से सब संभव वाले सिद्धांत पर आजीवन चलने वाले राजू श्रीवास्तव ने सैकड़ो कलाकारों में विश्वास जगाया कि हास्य कलाकारी में भी असीम संभावनाएं है।

भगवान राम के मार्मिक जीवन की कथाओं का वर्णन है डॉक्यूमेंटी शो: डीएम

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने रामायण दर्शन व कामदगिरि परिक्रमा मार्ग का औचक निरीक्षण कर वीआईपी गेस्ट हाउस, कार्यालय, कैंटीन/रेस्टोरेंट एवं होलोग्राफी हाल एवं उसमें चलाये जा रहे भगवान श्रीरामचन्द्र जी के चलचित्रों पर बनी डाक्यूमेंटी शो को भी देखा।

गुरुवार को डीएम अभिषेक आनन्द ने कहा कि भगवान श्रीरामचन्द्र जी के मार्मिक जीवन की कथाओं का वर्णन मन को हर्षोल्लास करने वाली कथाओं का चित्रण हैं। दो वर्ष से यह रामायण दर्शन बनकर तैयार है और हैण्डओवर भी हो गया है। ये नहीं चलाया गया तो किसकी जिम्मेदारी है। दो वर्षों में क्यों शुरू नहीं हुआ है, इसकी जांच कराई जाये। सहायता अभियंता आरके करवरिया राजकीय निर्माण निगम

यांत्रिक शाखा के खिलाफ कार्यवाही की जाये।

एजेंसी को भुगतान हुआ है तो उसकी रिकवरी करायें। लेजर शो रामघाट का समय अलग करके दिखायें।

उन्होंने पर्यटन अधिकारी से कहा कि इसे जल्द चालू करायें। रामायण दर्शन में बाउंड्रीवाल के पास तालाब में कोई कब्जा तो नहीं कर रहा। लेखपाल ने कहा कि तालाब में अतिक्रमण हो रहा है। उन्होंने लेखपाल अशोक वर्मा को निर्देश दिये कि तत्काल अतिक्रमण हटायें। अंदर जो झोपडी बनी है, उसे जल्द हटायें। चहारदीवारी को जल्दी बनवायें। तहसीलदार कर्वी को निर्देश दिये कि अभियान चलाकर परिक्रमा मार्ग का अतिक्रमण हटायें। कैंटीन की बाबत कहा कि जल्द टेंडर करायें। बाउंड्रीवाल पर मिट गई चित्रकारी को फिर से बनवायें। 27 सितम्बर के पहले रामायण दर्शन चालू कर शो का टाइम निर्धारित करें। बच्चों के लिए दस रुपये व वयस्क के लिए बीस रुपये का टिकट निर्धारित करें। रामायण दर्शन में पचास लोगों के बैठने का स्टैंड है। उन्होंने चित्रकूट आने वाले श्रद्धालुओं से कहा कि रामायण दर्शन पहुंचकर भगवान राम के चलचित्रों का मार्मिक वर्णन अवश्य देखें। निरीक्षण में संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

डीएम के आदेश पर सता रहा बुलडोजर का भय

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने चित्रकूट विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के सचिव की आख्या पर चित्रकूट इंटर कालेज छात्रावास गेट के सामने बिना भवन मानचित्र मंजूरी के तीन व्यवसायिक दुकानें बना लेने के संदर्भ में लोक निर्माण विभाग से जांचकर अवैध दुकानें गिराने के आदेश दिये हैं।

गुरुवार को चित्रकूट विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के सचिव ने जिलाधिकारी को भेजी आख्या में कहा कि शंकर बाजार कर्वी के राकेश सिंह ने शिकायत की है कि चित्रकूट इंटर कालेज के छात्रावास के गेट के सामने बिना मानचित्र मंजूरी के रामप्रसाद यादव ने तीन दुकानें बना ली हैं।

साडा के अवर अभियंता की आख्या ने तीन दुकानें डेढ से दो वर्ष पुरानी बनी हैं। लोक निर्माण विभाग की भूमि सीमा पर अतिक्रमण कर दुकानें बनाई गई

हैं। मौके के फोटो संलग्न कर लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता से अपेक्षा की है कि संलग्न शिकायती पत्र के आधार पर लोनिवि सीमा पर अतिक्रमण कर बनाई दुकानें तत्काल ध्वस्त की जायें।

जिलाधिकारी ने इस बाबत लोनिवि के अधिशाषी अभियंता को जांचकर नियमानुसार अपेक्षित कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। जिलाधिकारी के आदेश के बाद अवैध ढंग से दुकानें बनाने वाले एवं लोनिवि की भूमि पर अतिक्रमण करने वालों में बुलडोजर का भय सताने लगा है।

डेंगू वार्ड बनाकर करायें समुचित इलाज: विधायक

चित्रकूट। सदर विधायक अनिल प्रधान ने जिलाधिकारी को लिखे पत्र में कहा कि डेंगू के बढते प्रकोप के चलते जिला अस्पताल समेत सभी अस्पतालों में डेंगू वार्ड बनाकर इलाज की समुचित व्यवस्था कराई जाये।

गुरुवार को सदर विधायक/वरिष्ठ सपा नेता अनिल प्रधान ने जिलाधिकारी को लिखे पत्र में कहा कि जिले में डेंगू का प्रकोप दिन-प्रतिदिन बढता जा रहा है। हालत ये हो गये हैं कि कई लोगों की मृत्यु डेंगू की चपेट में आने से हो गई है। प्रतिदिन हजारों

लोग डेंगू पॉजिटिव हो रहे हैं। जिला अस्पताल समेत सभी सामुदायिक अस्पतालों में डेंगू के इलाज की उचित व्यवस्था न होने से लोग प्राइवेट अस्पतालों की ओर जा रहे हैं। इलाहाबाद, सतना जाने को लोग मजबूर हैं। जिला अस्पताल समेत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में डेंगू वार्ड बनाकर 24 घंटे में अनुभवी डॉक्टरों की देखरेख में इलाज की व्यवस्था करवा दी जाये तो जनता को काफी राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में डेंगू से बचाव को कीटनाशक दवाओं का छिडकाव युद्धस्तर पर कराया जाये। जिला अस्पताल समेत सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में जल्द डेंगू के इलाज की व्यवस्था कराई जाये।

इसी क्रम में उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष चित्रकूट जिले में सूखे का मुद्दा उठाया है। सर्वे बता रहा है कि 4894 हेक्टेयर की क्षति हुई है। आच्छादन निर्धारित करने का पैमाना कृषि विभाग के गोदामों से बांटा गया बीज है। धरातल पर सत्यापन न कर फर्जी शासन को आख्या भेजी गई है। जिले का सही ढंग से सर्वे कराकर सूखा घोषित कर फर्जी रिपोर्ट भेजने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाये।

गंदी नालियों से घिरा गल्ला मंडी हनुमान मन्दिर

चित्रकूट। जिला मुख्यालय स्थित कृषि उत्पादन मंडी समिति स्थित हनुमान मन्दिर गंदी नालियों से चारों ओर घिरा हुआ है। मंडी समिति सचिव को हनुमान मन्दिर के चारों ओर गंदी नालियां नजर नहीं आ रही हैं। इससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी उठानी पड रही है।

गुरुवार को जिला मुख्यालय स्थित कृषि उत्पादन मंडी समिति स्थित हनुमान मन्दिर इन दिनों गंदी नालियों से घिरा है। श्रद्धालुओं को पूजन-अर्चन करने में भारी परेशानी हो रही है। श्रद्धालु हनुमान मन्दिर में पूजन-अर्चन को जाते हैं तो उन्हें बद्बूदार गंदी नालियों से होकर जाना पडता है। ऐसे में उन्हें दुबारा स्नान करना पड रहा है। हनुमान मन्दिर जाने वाले श्रद्धालुओं ने बताया कि मंडी समिति सचिव को हनुमान मन्दिर जाने के रास्ते में पडने वाली गंदी नालियां नहीं नजर आ रहीं। इससे सचिव की लापरवाही उजागर हो रही है। श्रद्धालुओं ने कहा कि हनुमान मन्दिर जाने के रास्ते में गंदी नालियों की जल्द सफाई न हुई तो वे धरना प्रदर्शन को बाध्य होंगे।

लोकेशन गैंग के सरगना का सिर चढकर बोल रहा सिक्का

चित्रकूट। राजापुर क्षेत्र में ओवरलोड ट्रकों से मोरम-गिट्टी लेकर गुजरने वाले ट्रकों की लोकेशन गैंग के सरगना राजू खान का सिक्का सिर चढकर बोल रहा है।

उसकी गैंग में तकरीबन दस लोग काम करते हैं। लोकेशन गैंग के सरगना ने अल्पकालखण्ड में करोडों रुपये लोकेशन देकर अर्जित कर लिये हैं।

गुरुवार को लोकेशन गैंग सरगना राजू खान का खुलासा हुआ। बताया गया कि भरतकूप से लेकर राजापुर, कौशाम्बी व इलाहाबाद ओवरलोड गिट्टी व मोरम ले जाने वाले ट्रकों को गुजारने का काम राजू खान के गैंग के लोग करते हैं। प्रति ट्रक दो हजार रुपये ओवरलोड वाहनों को गुजारने का वसूलते हैं। लोकेशन गैंग की हरकतों की सूचना पुलिस व ट्रक वालों को गैंग के लोग देते हैं।

ओवरलोड ट्रकों से गुजरने वाली मोरम व गिट्टी की सूचना देकर गैंग सरगना राजू खान ने अल्पकालखण्ड में करोडों रुपये कमा लिए हैं। इसकी गैंग में दस से ज्यादा लोग काम करते हैं। सभी की ड्यूटी होती है कि ओवरलोड वाहन पुलिस प्रशासन की गिरफ्त में न आयें। इसी बात का पैसा वसूलता है लोकेशन गैंग।

तालाब के चारों ओर बैठने की करें व्यवस्था: डीएम

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने कर्वी ब्लाक के शिवरामपुर में लइनाबाबा सरकार अमृत सरोवर तालाब का औचक निरीक्षण कर डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह व बीडीओ आस्था पाण्डेय को निर्देश दिये कि तालाब की अच्छे ढंग से रंगाई-पुताई व सफाई कराई जाये।

गुरुवार को जिलाधिकारी ने तालाब का औचक निरीक्षण कर कहा कि तालाब जाने के आवागमन के रास्ते की मरम्मत कराई जाये। तालाब के चारोंओर भीठा में बैठने को बेंच आदि की व्यवस्था कराई जाये। तीर्थस्थान के पास स्थित तालाब में श्रद्धालुओं का

आवागमन रहता है। इसे देखते हुए चैकस व्यवस्थायें कराई जाये। उन्होंने लइनाबाबा सरकार के मन्दिर में पहुंचकर विधिवत पूजन-अर्चन किया।

जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय रामायण मेला परिसर का निरीक्षण कर प्रदर्शनी स्टाल लगाये जाने को कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बीडीओ से कहा कि कार्यक्रम की अच्छी ढंग से तैयारी कराई जाये। साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश की व्यवस्था दुरुस्त रहे, ताकि कार्यक्रम दौरान कोई समस्या न हो। इस मौके पर डीडीओ आरके त्रिपाठी, पीडी ऋषिमुनि उपाध्याय, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह व बीडीओ आस्था पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने दम्पति में सुलह करा परिवार टूटने से बचाया

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अतुल शर्मा के निर्देश पर परिवार परामर्श केन्द्र में एक दम्पति के आपसी विवाद को सुलझाकर परिवार को टूटने से बचाया।

गुरुवार को परिवार परामर्श केन्द्र प्रभारी श्रीमती रीता सिंह ने हनुवा गांव की श्रीमती नीलम देवी पत्नी देवकुमार के आवेदन पर पति के साथ लडाई-झगडा व मारपीट के मामले में शिकायतकर्ता महिला की बातों को विस्तार से सुना। पति देवकुमार से सम्पर्क कर पुलिस कार्यालय परिवार परामर्श केन्द्र बुलाकर दोनों पक्षों को समझाया। पति-पत्नी से

भविष्य में लडाई न करने की सलाह देते हुए पति-पत्नी के कर्तव्यों का पालन करने की बात कही। पति-पत्नी की आपसी सुलह होने पर परिवार परामर्श केन्द्र में दोनों को तालमेल से रहने की सलाह दी। इस मौके पर महिला सिपाही मंजूलता पाल व रक्षा यादव मौजूद रहीं।

टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में हर्षल पटेल की जगह पर संजय मांजरेकर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली.टी20 वर्ल्ड कप 2022 के आगाज में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। अगले महीने ऑस्ट्रेलिया में टी20 वर्ल्ड कप खेला जाना है। सभी टीमें इसकी तैयारियों में जुटी हुई हैं। टी20 वर्ल्ड कप से ठीक पहले टीम इंडिया का प्रदर्शन लगातार गिरता जा रहा है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट की चिंता भी बढ़ती जा रही है। हर्षल पटेल ने चोट से वापसी कर ली है, लेकिन फिलहाल उनकी गेंदबाजी में धार नहीं दिखी है। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने हर्षल पटेल के टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में चुने जाने पर सवाल खड़े किए हैं।

मांजरेकर ने स्पोर्ट्स 18 पर कहा, हर्षल पटेल ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें अब हम कुछ सालों से खेलते हुए देख रहे हैं। हम उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भी खेलते हुए देख चुके हैं, वह ऐसे गेंदबाज हैं, जो पिच ड्राई होने पर इसका फायदा उठाते हैं, जहां उनकी स्लोअर गेंद और स्लो हो जाती हैं और उसे खेलना मुश्किल हो जाता है। पिछली बार उनकी स्लोअर बॉल की स्पीड 120 किमी प्रति घंटा थी। तो ऐसे में यह स्पीड में बड़ा ड्रॉप नहीं है। मांजरेकर ने आगे कहा, अगर पिच फ्लैट होती है, तो यह हर्षल पटेल के लिए चिंता की बात होगी।

ऑस्ट्रेलिया में आपको ऐसी ही पिचें मिलेंगी। तो भारत को यह बात भी दिमाग में रखनी होगी, ऑस्ट्रेलिया के हिसाब से हर्षल की स्किल्स कैसी हैं। हर्षल पटेल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के साथ इंटरनेशनल क्रिकेट में चोट के बाद वापसी की है, लेकिन पहले मैच में वह बिल्कुल बेअसर नजर आए।

दिनेश कार्तिक की बेइज्जती नहीं कर रहा, लेकिन... पूर्व AUS क्रिकेटर ने DK की प्लेइंग XI में होने पर उठाए सवाल

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडेन को समझ नहीं आ रहा कि भारतीय टी20 टीम में किस आधार पर दिनेश कार्तिक को जगह दी जा रही है। उन्होंने साथ ही कहा कि वह इस DK की बेइज्जती नहीं करना चाहते।

नई दिल्ली.इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 से पहले शायद ही किसी ने सोचा होगा कि दिनेश कार्तिक की भारतीय टी20 इंटरनेशनल टीम में वापसी होगी। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की ओर से खेलते हुए दिनेश कार्तिक ने फिनिशर की भूमिका बखूबी निभाई और इसके दम पर उनकी टीम इंडिया में वापसी हुई। दिनेश कार्तिक को एशिया कप में भी स्क्वॉड का हिस्सा बनाया गया और अब वह टी20 वर्ल्ड कप 2022 के लिए भी इंडियन स्क्वॉड का हिस्सा हैं। मोहाली में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच के लिए दिनेश कार्तिक को ऋषभ पंत पर तरजीह दी गई, लेकिन उन्हें बैटिंग ऑर्डर में अक्षर पटेल के बाद भेजा गया।

हेडेन ने दिनेश कार्तिक को लेकर ऑन एयर कहा, मैं दिनेश कार्तिक के रोल के बारे में सोच रहा था। दिनेश कार्तिक को अभी बैटिंग के लिए क्यों नहीं भेजा गया। जो कुछ भी हो इस बात का मेरे लिए कोई मतलब नहीं है। देखिए मैं उनकी बेइज्जती नहीं करना चाहता लेकिन उन्हें और बैटिंग का मौका मिलना चाहिए, लेकिन फिलहाल इसका बिल्कुल उल्टा हो रहा है।

लाइव टीवी पर हेडेन के इस कमेंट के बाद अक्षर पटेल

ने कैमरोन ग्रीन की गेंद पर स्ट्रेट ड्राइव लगाया। हालांकि अक्षर के इस शॉट से हेडेन का प्वॉइंट ऑफ व्यू नहीं बदला। उन्होंने आगे कहा, %मुझे लगता है कि वह इतने अच्छे खिलाड़ी हैं कि वह इस पोजिशन पर खेलने आकर ऐसा ही शॉट लगाने का दम रखते हैं। मैं उनके फिनिशर के तौर पर खेलने पर सवाल उठाता हूं। मेरे हिसाब से उनका रोल बैटिंग ऑर्डर में थोड़ा और ऊपर आने का होना चाहिए। कमेंट्री के दौरान पूर्व क्रिकेटर अजीत आगरकर ने भी हेडेन की हां में हां मिलाई।

Fraud Case Against Trump: अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उनके बच्चों पर न्यूयार्क में धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

न्यूयार्क के अटार्नी जनरल ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प उनके तीन बच्चों और ट्रम्प संगठन के खिलाफ कथित तौर पर धोखाधड़ी को लेकर एक मुकदमा दायर किया है। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से ये बात सामने आई है।

न्यूयार्क (यूएस). न्यूयार्क के अटार्नी जनरल ने बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, उनके तीन बच्चों और ट्रम्प संगठन के खिलाफ कथित तौर पर चलने वाली धोखाधड़ी को लेकर एक मुकदमा दायर किया है। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से ये बात सामने आई है।

सीएनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, डेमोक्रेट अटार्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने 200 पन्नों के मुकदमे में आरोप लगाया है कि ट्रम्प ने अपने बिजनेस के क्षेत्रों में धोखाधड़ी की है जिसमें उनकी संपत्ति और गोल्फ कोर्स भी शामिल है।

मुकदमे के अनुसार, ट्रम्प संगठन ने भ्रामक मूल्यांकनों का उपयोग करके अपनी संपत्तियों के मूल्य को बढ़ाकर ऋणदाताओं, बीमाकर्ताओं और कर अधिकारियों को धोखा दिया है।

जेम्स ने न्यूयार्क में एक प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान कहा, इस आचरण को खारिज नहीं किया जा सकता है और इसे किसी प्रकार की सद्भावना गलती के रूप में खारिज किया जा सकता है।

सीएनएन के अनुसार उन्होंने कहा, वित्तीय स्थिति के बयानों को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया था। इसके परिणामस्वरूप हम राहत की मांग कर रहे हैं और इसके लिए ट्रम्प, ट्रम्प संगठन, उनका परिवार - उन सभी को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

ट्रम्प के बच्चों में, डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर, एरिक ट्रम्प और इवांका ट्रम्प को मुकदमे में प्रतिवादी के रूप में नामित किया गया है।

इसके अलावा, ट्रम्प आर्गनाइजेशन के पूर्व सीएफओ एलन वीसेलबर्ग और लंबे समय तक कंपनी के एक अन्य कार्यकारी जेफ मैककोनी का भी नाम शामिल किया गया है।

मुकदमे में आगे कहा गया है, धोखाधड़ी और गलत बयानबाजी के ये कार्य समान थे, ट्रम्प संगठन में ऊपरी प्रबंधन द्वारा प्रत्येक वार्षिक वक्तव्य के लिए एक सामान्य प्रयास के हिस्से के रूप में प्रतिबद्ध थे और ट्रम्प संगठन के उच्चतम स्तरों पर अनुमोदित थे - जिसमें खुद ट्रम्प भी शामिल हैं।

सीएनएन ने बताया कि मुकदमे के हिस्से के रूप में, जेम्स कथित रूप से गलत तरीके से अर्जित धन में 250 मिलियन अमरीकी डालर की मांग कर रहा है और ट्रम्प और मुकदमे में नामित बच्चों को न्यूयार्क राज्य में पंजीकृत एक व्यवसाय के निदेशक के रूप में सेवा करने से स्थायी रूप से रोक रहा है। वह ट्रम्प आर्गनाइजेशन के कारपोरेट सर्टिफिकेट को रद्द करने की भी मांग कर रहा है।

सार-समाचार

जयशंकर ने ब्रिटेन के विदेश मंत्री से मुलाकात के दौरान देश में भारतीय समुदाय की सुरक्षा, कल्याण को लेकर चिंता जताई

न्यूयॉर्क (अमेरिका). विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ब्रिटेन में अपने समकक्ष जेम्स क्लेवरली से मुलाकात के दौरान देश में भारतीय समुदाय की सुरक्षा एवं कल्याण को लेकर अपनी चिंता साझा की और इस संबंध में क्लेवरली से मिले आश्वासन का स्वागत किया।

जयशंकर ने बुधवार को ट्वीट किया, ''ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली से शानदार बातचीत हुई। 'रोडमैप 2030' को आगे ले जाने पर चर्चा हुई। दोनों देशों की भागीदारी को गहरा करने के लिए उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करता हूं।'' उन्होंने कहा कि बातचीत में हिंद-प्रशांत, यूक्रेन और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) संबंधी मामलों समेत कई वैश्विक मुद्दे शामिल रहे। जयशंकर ने कहा, ''मैंने ब्रिटेन में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण को लेकर अपनी चिंता जाहिर की। इस संबंध में उनसे मिले आश्वासन का स्वागत करता हूं।''

बोलिविया के विदेश मंत्री रोजेलियो मायता के साथ अपनी बैठक में जयशंकर ने कहा कि उन्होंने ''हमारी विकास साझेदारी और दोनों देशों के आर्थिक जुड़ाव का विस्तार करने के बारे में बात की। वैश्विक विकास पर विचारों का आदान-प्रदान किया।'' नॉर्वे के विदेश मंत्री एनीकेन हुइटफेल्ड के साथ अपनी बैठक के बाद, जयशंकर ने कहा कि उन्होंने ''संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हमारे मौजूदा सहयोग की सराहना की। नॉर्डिक देशों के साथ हमारी साझेदारी, अफगानिस्तान, यूक्रेन और जलवायु कार्रवाई पर चर्चा हुई।'' जयशंकर ने एस्टोनिया के विदेश मंत्री उर्मास रीनसालु से भी मुलाकात की और कहा कि ''दोनों देशों के दूतावास के खुलने के बाद द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करने पर चर्चा की। यूक्रेन से संबंधित घटनाक्रमों पर विचार आदान-प्रदान किए।'' जयशंकर ने 10वें भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका (इब्सा) त्रिपक्षीय मंत्री स्तरीय आयोग बैठक की मेजबानी की और इब्सा की प्रक्रिया की समीक्षा की तथा इसके कार्यों को सराहा। उन्होंने कहा, ''वैश्विक एवं बहुपक्षीय मुद्दों पर दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देने की सराहना करता हूं।'' ब्राजील के विदेश मंत्री कार्लोस फ्रांका और दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्री जोए फाहला भी बैठक में शामिल हुए।

पुतिन की घोषणा के बाद रूसी नागरिकों में हड़कंप, एयरलाइंस ने टिकट बेचने पर लगाई रोक

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन की युद्ध में रूसी नागरिकों (आरक्षित सैनिक) की तैनाती की घोषणा के बाद देश छोड़ने वालों की संख्या एकदम बढ़ गई। इस पर रूस की एयरलाइंस ने 18 से 65 साल के लोगों को टिकट बेचने पर रोक लगा दी है। इस आयु सीमा के लोगों को रक्षा मंत्रालय से यात्रा की मंजूरी के बाद ही एयरलाइंस टिकट बेची जाएगी। रूसी अधिकारियों ने बताया कि तीन लाख 'रिजर्विस्ट' (आरक्षित सैनिक) की आंशिक तैनाती की योजना बनाई गई है। इसके बाद रूस से विदेशी गंतव्यों के लिए जाने वाली सभी रूसी उड़ानों के टिकट बिक गए। आरक्षित सैनिकों की इस तैनाती को पुतिन ने जरूरी बताते हुए कहा कि रूस 'पूरी पश्चिमी सैन्य मशीनरी' से लड़ रहा है।

रूस की शीर्ष ट्रैवल प्लानिंग वेबसाइट के मुताबिक पुतिन की घोषणा के बाद कुछ मिनट के भीतर ही मॉस्को से जॉर्जिया, तुर्की और अर्मेनिया के लिए तेजी से एयरलाइंस टिकट की बिक्री अचानक बढ़ गई।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

प्रधानमंत्री मोदी का गुणगान कर रहे इमरान खान, नवाज शरीफ को लिया आड़े हाथों; बताया 'भ्रष्ट'

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान (Imran Khan) एक बार फिर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गुणगान का बखान करते नजर आए। दरअसल इमरान ने भ्रष्टाचार के मामले का जिक्र किया और प्रधानमंत्री मोदी व पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के सुप्रीमो नवाज शरीफ की तुलना कर डाली।

इस्लामाबाद. पाकिस्तान और भारत के बीच दोस्ताना संबंध तो कभी रहा ही नहीं लेकिन हाल के दिनों में इमरान खान का सुर बदला हुआ है। अब दूसरी बार वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफों के पुल बांधते नजर आए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में इमरान खान जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। इसमें वे जहां अपने देश के नवाज शरीफ को भ्रष्ट बता रहे हैं वहीं भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति की तारीफ कर रहे हैं।

नवाज और मोदी की तुलना

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान (Imran Khan) एक बार फिर भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गुणगान का बखान करते नजर आए। दरअसल इमरान ने भ्रष्टाचार के मामले का जिक्र किया और प्रधानमंत्री मोदी व पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के सुप्रीमो नवाज शरीफ की तुलना कर डाली। इंटरनेट पर यह वीडियो वायरल हो रहा जिसमें पूर्व पीएम इमरान ने नवाज शरीफ को आड़े हाथों लेते हुए पाकिस्तान से बाहर उनकी संपत्ति का गिनवा रहे हैं।

नवाज की देश से बाहर अथाह संपत्ति- इमरान इमरान ने नवाज को निशाने पर लिया और बोले, नवाज के अलावा दुनिया में कोई दूसरा नेता नहीं है जिसके पास करोड़ों की संपत्ति होगी। वीडियो में इमरान ने सवाल किया है। उन्होंने कहा है, मुझे एक देश का नाम बताइए जिसके नेता के बाद देश से बाहर अरबों की संपत्ति है। हमारे पड़ोसी देश को ही लें, प्रधानमंत्री मोदी की भारत से बाहर कितनी संपत्ति है? उन्होंने आगे कहा, देश से बाहर नवाज की अथाह संपत्ति का अंदाजा भी कोई नहीं लगा सकता है।

भारत एक 'खुद्दार कौम'

इससे पहले अप्रैल में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के प्रमुख ने भारत की सराहना की थी और इसे खुद्दार कौम बताया था। साथ ही कहा था कि कोई सुपरपावर नहीं जो पड़ासी देश पर शासन कर सके हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया था कि नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच संबंध ठीक नहीं हैं। इमरान ने कहा था कि भारत और पाकिस्तान को एक साथ आजादी मिली थी लेकिन इस्लामाबाद का इस्तेमाल टिश्यू पेपर की तरह होता रहा और फिर इसे फेंक दिया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि वे अमेरिका विरोधी नहीं है लेकिन उनका देश विदेशी साजिश का शिकार हो गया।

रूस से भारत ने खरीदा था तेल जिसकी इमरान ने की थी तारीफ यह पहली बार नहीं है जब इमरान खान ने भारत की तारीफ की है। इससे पहले भी उन्होंने भारत की विदेश नीति की तारीफ की थी। उन्होंने रूस से भारत द्वारा तेल खरीदे जाने के फैसले की भी सराहना की थी। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी सरकार भी स्वतंत्र विदेश नीति की मदद से ऐसा करने की योजना बना रही है। इमरान ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज की अगुवाई वाली सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि नवाज शरीफ ऐसे कई कामों में बिजी है जो कारगर नहीं है और देश की अर्थव्यवस्था भी चौपट हो चुकी है।

रूस पर नए प्रतिबंध के लिए तैयार हुआ यूरोपीय संघ, यूक्रेन को और हथियारों की आपूर्ति जारी रखने पर भी जताई सहमति

न्यूयॉर्क. रूस और यूक्रेन युद्ध के बीच यूरोपीय संघ (श्र) ने मॉस्को को अलग-थलग कर दिया है। यूरोपीय संघ के मंत्रियों ने बुधवार को एक अनौपचारिक बैठक में रूस को टार्गेट करते हुए नए प्रतिबंध लगाए जाने पर सहमत जताई है। समाचार एजेंसी रायटर के अनुसार यूरोपी संघ के विदेश नीति की प्रमुख जोसेप बोरेल (Josep Borrell) ने कहा कि पुतिन द्वारा सेना के लामबंदी का आदेश देने के कुछ घंटे बाद यह निर्णय लिया गया है।

इसके साथ ही न्यूयॉर्क में पत्रकारों से बात करते हुए जोसेप बोरेल ने कहा कि 27 देशों ने नए क्षेत्रीय और व्यक्तिगत उपायों को लागू करने के लिए राजनीतिक निर्णय लिया है। साथ ही ईयू से जुड़े मंत्रियों ने युद्ध के बीच यूक्रेन को और हथियारों की आपूर्ति जारी रखने पर भी सहमति जताई है।

पुतिन यूक्रेन को नष्ट करने की कर रहे कोशिश

जोसेप बोरेल ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति की घोषणा, जिसमें यूक्रेनी क्षेत्र के कब्जे के लिए कदम और रूस की रक्षा के लिए परमाणु हथियारों का उपयोग करने का खतरा शामिल है। यह उनकी घबराहट और हताशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि पुतिन यूक्रेन को नष्ट करने की कोशिश कर रहे हैं।

पुतिन ने इन चार हिस्सों में जनमत संग्रह का दिया है आदेश

बता दें कि बुधवार को व्लादिमीर पुतिन ने रूस में 3 लाख रिजर्व सैनिकों को तैनात करने का आदेश दिया है। रूस यूक्रेन के डोनेत्स्क, लुहांस्क, खुरासान और जापोरिज्जिया को अपना हिस्सा बनाने की कोशिश कर रहा है। साथ ही पुतिन ने इन इलाकों में जनमत संग्रह कराने का आदेश दिया है।

गौरतलब है कि रूस और यूक्रेन युद्ध को सात महीने से ज्यादा का समय हो गया है। रूस यूक्रेन के कई हिस्सों पर अभी भी हमले जारी किए हुए है। इस बीच, एससीओ शिखर सम्मेलन में पीएम मोदी ने व्लादिमीर पुतिन से शांति का रास्ता अपनाने पर जोर दिया है।

परमाणु वार्ता के लिए हम तैयार हैं लेकिन क्या अमेरिका वादे पर खरा उतरेगा : ईरान

संयुक्त राष्ट्र। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने बुधवार को कहा कि उनका देश उसे परमाणु बम हासिल करने से रोकने के लिए किए समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने के लिए गंभीर है लेकिन उन्होंने सवाल किया कि क्या तेहरान किसी भी अंतिम समझौते को लेकर अमेरिकी प्रतिबद्धता पर भरोसा कर सकता है? राष्ट्रपति रईसी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में 2018 में समझौते से अलग होने के अमेरिका के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका पहले ही पिछले समझौते को ''कुचल'' चुका है।

उन्होंने कहा, ''ईरान परमाणु वार्ता में सभी मुद्दों को हल करने को लेकर गंभीर है लेकिन हमारी केवल एक ही इच्छा है = प्रतिबद्धताओं का पालन।'' उन्होंने कहा, ''क्या हम बिना किसी गारंटी और आश्वासन के पूरी तरह यह भरोसा कर सकते हैं कि इस बार वे अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरे उतरेंगे?'' रईसी ने इजराइल के संदर्भ में कहा कि ईरान की परमाणु गतिविधियों की एकतरफा जांच की गयी जबकि अन्य देशों का परमाणु कार्यक्रम अब भी गुप्त है। गौरतलब है कि इजराइल ने परमाणु हथियार रखने की न कभी पुष्टि की और न ही इससे इनकार किया है। परमाणु समझौते का विरोध करने वाला इजराइल संयुक्त राष्ट्र के निरीक्षकों के समक्ष ईरान पर अपने परमाणु कार्यक्रम को छिपाने का आरोप लगाता रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने भी संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण में कहा, ''हम ईरान को कोई परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देंगे।'' साथ ही उन्होंने कहा कि अगर ईरान अपनी प्रतिबद्धताओं का पूरा करता है तो अमेरिका फिर से इस समझौते का हिस्सा बनने के लिए तैयार है। रईसी ने मानवाधिकारों पर ''दोहरे मानदंड'' अपनाने के लिए पश्चिम देशों की निंदा भी की। उन्होंने इजराइल पर फलस्तीन गाजा पट्टी की नाकाबंदी के जरिए दुनिया की सबसे बड़ी जेल बनाने का आरोप लगाया। रईसी ने संयुक्त राष्ट्र में ऐसे वक्त में भाषण दिया है जब ईरान नाजुक दौर से गुजर रहा है।

Pakistan Floods: पाकिस्तान में बाढ़ प्रभावित लोगों को दक्षिण अफ्रीकी NGO की मदद, पीड़ितों को मिल रहा आपदा रोधी घर

जोहानसबर्ग. पाकिस्तान में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए एक दक्षिण अफ्रीकी एनजीओ (NGO) ने मदद का हाथ बढ़ाया है। दक्षिण अफ्रीकी NGO Spiritual Chords पाकिस्तान में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को बांस से बने घर उपलब्ध कराकर मदद कर रहा है, जो लोगों को बाढ़ और भूकंप से बचा सकता है। NGO Spiritual Chords की संस्थापक सफीया मूसा ने कहा कि पाकिस्तान में बांस, चूने, मिट्टी और अन्य टिकाऊ सामग्रियों से बने घरों ने विनाशकारी बाढ़ का सामना किया है, जबकि मिट्टी की ईंटों से बने मकान नष्ट हो गए।

आपदा रोधी घर देने का फैसला

सफीया मूसा ने कहा, जब हमने पाकिस्तान में 2011 की बाढ़ के बाद सहायता देने का फैसला किया। मैं ग्रीन टिकाऊ घर के लिए बहुत उत्सुक थी। ईंटों की गुणवत्ता घटिया थी और मिट्टी की ईंटों के साथ बाढ़ और भूकंप के लिए घर लचीला नहीं थे। मैं लंबे समय तक के लिए समाधान पेश करना चाहती थी। उन्होंने कहा, ढाई साल इस पर काम करने के बाद, मैंने पाकिस्तान की पहली महिला वास्तुकार यास्मीन लारी को फोन किया। उनसे एक ऐसा ढ़ांचा विकसित करने में मदद मांगी, जो प्रकृति की मार झेल सके और लोगों को बुनियादी आवास प्रदान करते समय विरोध न हो।

पाकिस्तानी वास्तुकार की मदद

बता दें कि लाहौर में मुगल सम्राट अकबर के शीश महल को जीर्णोद्धार परियोजना पर काम करते हुए, यास्मीन लारी ने देखा कि सदियों पहले इसकी दीवारों पर इस्तेमाल किया गया प्लास्टर चूने, मिट्टी और अन्य टिकाऊ सामग्री से बना था। मूसा ने कहा, %यास्मीन ने मिट्टी के इस मिश्रण के साथ बांस के साथ एक संरचना बनाई, जिसे देखकर खुशी मिलती और बहुत प्रबंधनीय है। बांस जीरो कार्बन उत्सर्जन पैदा करने वाला है और इसे तीन से पांच वर्षों में उगाया जा सकता है। **चार साल में बने 57,000 घर**

सफीया मूसा ने कहा कि इसका उपयोग करते हुए, हमने 2011 की बाढ़ के दो साल बाद गांवों में घर बनाना शुरू किया। उन्होंने कहा कि पहले घर बनने के बाद, हम हैंडपंप और कुओं के साथ पानी भी लाए। चार साल से कम समय में 57,000 ढ़ांचे बने, जिसे संयुक्त राष्ट्र विश्व आवास पुरस्कार मिला था। पाकिस्तान में बाढ़ की मार झेल रहे लोगों को मूसा ने कहा, %हम उन्हें तंबू नहीं देते, हम उन्हें घर देते हैं। देश में अब पाकिस्तानी सरकार और गैर सरकारी संगठन इन घरों की संख्या बढ़ाने के लिए Spiritual Chords के साथ सहयोग करना चाह रहे हैं। मूसा ने कहा कि इस आइडिया को अब कई देशों में अपनाया जा रहा है। इसके तहत शरणार्थियों की समस्या का भी समाधान किया जा सकता है।